www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 187 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
29 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:57
सूर्यास्तः 05:56
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 23°00


पेज 07

विशेष समाचार
पाकिस्तान के बेतूके सवाल... >> पेज 04
बैंककर्मी से 'आईएएस ... >> पेज 06
44 के हुए रणबीर कपूर...

योगी बोले-अखिलेश यादव चिंता न करें, हर हफ्ते नियुक्ति पत्र बांटेंगे

नए स्लोगन के साथ गिरगिट की तरह रंग बदल रही सपा : योगी

28 सितंबर है भगत सिंह की जयंती, इसी दिन 57,600 से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लस का लक्ष्य प्राप्त किया था
- मुख्यमंत्री



उप्र में अब नागरिक सीना तानकर और माफिया सिर झुकाकर चलता है: सीएम योगी

मिशन रोजगार: 1375 ग्राम पंचायत अधिकारियों को मिली नियुक्ति, 11 नवचयनितों को मुख्यमंत्री ने मंच पर दिया नियुक्ति पत्र

छह महीने में एक लाख सरकारी नौकरी का लक्ष्य, सपा-कांग्रेस के नेता गिनते रहें, हम नियुक्ति पत्र बांटते रहेंगे, अक्टूबर से फिर होगा नियुक्ति पत्र वितरण

ग्राम पंचायत जितनी बढ़ाएगी अपनी आय, सरकार उतनी ही देगी अतिरिक्त धनराशि, आत्मनिर्भर गांव बनाने पर जोर

कोई टोटी चोरी कर लेगा तो पानी बहता रहेगा, जिससे गांव की ही क्षति होगी: मुख्यमंत्री

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का 15 राज्यों में प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के 15 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली और केरलम में प्रदर्शन किया। इसके अलावा, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना, कर्नाटक में भी प्रदर्शन हुए।

यूपी के आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने CEC ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'। राजस्थान के जयपुर में विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। विरोध में पर्व सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी शामिल थे। कांग्रेस पार्टी का दावा है कि वोटर लिस्ट की SIR में गड़बड़ी की गई।

प्रशांत किशोर ने तिरहुत के बाद दरभंगा में कैंडिडेट बदला

रवींद्र यादव की जगह नूरानी लड़ेंगे एमएलसी चुनाव

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी



पटना। बिहार एमएलसी चुनाव 2026 में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने दरभंगा स्नातक सीट से रवींद्र यादव से टिकट वापस ले लिया है। उनकी जगह अब मोहम्मद इम्तियाज नूरानी को प्रत्याशी बनाया गया है। इससे पहले जन सुराज ने तिरहुत में कैंडिडेट बदला था।

बिहार विधान परिषद चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने दूसरा कैंडिडेट बदल दिया है। तिरहुत शिक्षक के बाद अब दरभंगा स्नातक सीट से जन सुराज का प्रत्याशी बदल दिया गया है। यहां से अब मोहम्मद इम्तियाज उर्फ नूरानी पीके की पार्टी से एमएलसी चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने पूर्व में घोषित रवींद्र यादव का नाम वापस ले लिया है। इससे पहले तिरहुत शिक्षक सीट पर भी जन सुराज पार्टी ने भी कैंडिडेट बदलकर भूषण झा की जगह श्याम नंदन यादव को टिकट दिया था।

जन सुराज पार्टी ने सोमवार को दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी बदलने की घोषणा की

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रहार

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरकारी नौकरियों और गांवों के विकास को लेकर समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने नौजवानों के हक पर डकैती डाली, पिछड़ों-दलितों को योजनाओं से वंचित किया, नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, जिनके लिए विकास का मतलब सिर्फ सैफई था, वही आज नए स्वरूप में नए स्लोगन के साथ गिरगिट की तरह रंग बदलते दिख रहे हैं। इनसे सावधान रहना है। यह भ्रम पैदा कर राज्य को अराजकता की तरफ धकेलने की साजिश करेंगे। सीएम ने सपा-कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि छह महीने में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का हमारा लक्ष्य है। वे गिनते रहें, हम नियुक्ति पत्र वितरित करते रहेंगे। 11 नवचयनितों को

यूपी में अब सिर झुकाकर चलता है माफिया

सीएम ने कहा कि सपा शासनकाल में संवेदनहीनता की चरमता थी। बेईमानी से जकड़े वे लोग माफिया के सामने झुकते थे, परंतु अब ऐसा नहीं है। अब कोई माफिया असलहों के साथ गाड़ियों का काफिला लेकर नहीं चल सकता। आज यूपी में नागरिक सीना तानकर और माफिया सिर झुकाकर चलता है। उसे पता है कि गरीब की झोपड़ी पर कब्जा और व्यापारी से फिरौती मांगने जाएंगे तो काम तमाम हो जाएगा। अब माफिया और उनके आका भयभीत हैं। भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है।

बच्चे इंसेफेलाइटिस से मरते थे, लेकिन सपा के स्वास्थ्य मंत्री ने भी हॉस्पिटल का दौरा नहीं किया: सीएम

मुख्यमंत्री योगी मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 1,375 ग्राम पंचायत अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि मैंने 15 सितंबर के आसपास कहा था कि हर सप्ताह नियुक्ति पत्र वितरण करेंगे और छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देंगे। 20 सितंबर से यह चौथी नियुक्ति पत्र प्रक्रिया संपन्न हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

योग्यता पर भी नहीं मिलती थी 2017 के पहले नौकरी

सीएम योगी ने कहा कि हम युवा बल को प्लेटफॉर्म देकर उसकी ऊर्जा-प्रतिभा का उपयोग उप्र की समृद्धि में करने में सफल होते हैं। 2017 के पहले युवाओं में सिर्फ आशंका, हताशा-निराशा थी। योग्यता के बावजूद सिर्फ पहुंच न होने की वजह से गरीब बच्चों से नौकरी कोसों दूर रहती थी। 2017 में हमने इस जकड़न, बेईमानी व माफियाराज से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया था। अब सरकारी नियुक्ति पाने वाले साढ़े 9 लाख युवाओं की प्रतिभा से यूपी विकास की नई कहानी लिख रहा है।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने साढ़े 9 वर्ष में हुए परिवर्तन को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी सबसे पिछड़े 5 राज्य में था, अब टॉप-3 में हैं। यूपी ने अपनी अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय व बजट को तीन गुना करने में सफलता हासिल की है। यह बदलाव पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में हर योजना को ईमानदारी से लागू करने का परिणाम है। आज सरदार भगत सिंह की जयंती है। जब उन्होंने देश के लिए बलिदान दिया, तब उनकी आयु मात्र 23 वर्ष थी। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले अनेक जवानों की आयु भी 20-27 वर्ष के बीच में है। सरदार भगत सिंह ने देश के लिए इसलिए बलिदान दिया था कि आने वाले समय में नौजवानों का जीवन उज्ज्वल हो।

उज्जैन: शाही मस्जिद पर तोड़फोड़ से पहले बवाल

पथराव के जवाब में पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

तनाव

तमसा संकेत, एजेंसी



उज्जैन। उज्जैन के अब्दालपुरा इलाके में शाही मस्जिद के एक हिस्से को हटाने की कार्रवाई को लेकर बवाल हो गया है. हालत ये है कि भारी विरोध के बीच अब मुस्लिम समाज के भीतर ही अलग-अलग रुख देखने को मिल रहा है, जहां एक गुट खुद ही मस्जिद के हिस्से को हटाने को तैयार है, तो वहीं दूसरा गुट इसके विरोध में डटा हुआ है. बीते दो दिनों से शाही मस्जिद को तोड़े जाने की खबरों के बाद स्थानीय लोग और मुस्लिम समाज के लोग भारी संख्या में मस्जिद के बाहर इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.

>> (शेष पेज 06 पर)

इलाके में 2000 पुलिस जवान तैनात

हालात को संभालने के लिए प्रशासन ने मौके पर करीब 2000 पुलिस जवानों को तैनात किया है और मस्जिद के 500 मीटर के दायरे में बैरिकेडिंग कर आवाजाही पूरी तरह रोक दी है. प्रदर्शन के दौरान महिलाओं को भी आगे देखा गया. पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाइश दिए जाने के बाद भीड़ शांत हुई. रातभर चले तनाव के बाद ये उम्मीद जताई जा रही है कि सोमवार सुबह से समाज के लोग खुद ही आगे आकर आपसी सहमति से मस्जिद के विवादित हिस्से को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

चुनाव आयोग 4 महीने में टीएमसी विवाद सुलझाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के नाम और 'फूल-पत्ती' चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद पर फैसला देने की समय-सीमा तय की। कोर्ट ने दोनों गुटों को एक महीने में अपनी दलीलें पूरी करने और इसके बाद चुनाव आयोग को तीन महीने में फैसला देने का निर्देश दिया।

बहाव खतरा

हिमाचल में लैंडस्लाइड से नदी का बहाव रुका

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सोमवार सुबह जांगलीख पुल के पास लैंडस्लाइड हो गया। 100 फीट से ज्यादा ऊंचा पहाड़ करीब 25 से 26 सेकंड तक गिरता रहा। मलबे के कारण सुंदू नदी का बहाव भी कुछ देर के लिए रुक गया। केदारनाथ मार्ग पर चीड़बसा में फंसे करीब 1500 यात्रियों को SDRF, NDRF और DDRF ने रेस्क्यू कर गौरीकुंड पहुंचाया। इसके साथ ही मौसम में सुधार के बाद दो दिन से बंद चारधाम यात्रा भी फिर शुरू कर दी गई है। जयपुर में सोमवार शाम मौसम बदला और मूसलाधार बारिश हुई।

सुप्रीम कोर्ट का यूपीआई चार्ज पर रोक से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने UPI पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगाने के केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। 15 अक्टूबर से यह शुल्क 2000 रुपए से ज्यादा के मर्चेंट पेमेंट पर लागू होगा। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है कि इस नए नियम को लागू करने का आधार क्या है।

फतेहपुर में गैस सिलिंडर फटने से मकान ढहा, चार की मौत

सात लोग सुरक्षित मलबे से निकाले गए

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी



एक व्यक्ति गंभीर हालत में वेंटिलेटर पर

फतेहपुर। फतेहपुर में गैस सिलिंडर में हुए जोरदार विस्फोट से इलाके में हड़कंप मच गया। धमाके के बाद कुछ लोग मलबे में दब गए और कई घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और राहत टीमों ने रेस्क्यू अभियान चलाकर सात लोगों को बाहर निकाला। इनमें चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि एक व्यक्ति 90 फीसदी से अधिक झुलसने के कारण गंभीर हालत में वेंटिलेटर पर है। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि 'हमें सूचना मिली थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक सिलिंडर में विस्फोट हुआ है। सिलिंडर विस्फोट के कारण कुछ लोग मलबे के नीचे दब गए थे, घायल हुए थे और उन्हें मदद की जरूरत थी। अब तक वहां से कुल सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इनमें से चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। पांचवां व्यक्ति 90 प्रतिशत से अधिक झुलस गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सोना 4133 सस्ता, 1.48 लाख पर आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 सितंबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 4,133 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी 9,297 रुपए सस्ती होकर 2.23 लाख रुपए पर आ गई है।

सितंबर में अब तक 28 दिनों में सोना 8 हजार और चांदी 14 हजार सस्ती रुपए हुई है। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.23 लाख रुपए पर आ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है:

अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है।

राहुल झुग्गी बस्ती पहुंचे, एसडीएम से पूछा- सिर्फ एक नाम बचा, एसआईआर में 47 लाख नाम कटे

'पूरी बस्ती के वोटर गायब कैसे'

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी



राहुल ने इन लोगों के बीच बैठकर ही एसडीएम को फोन लगाया। उन्होंने पूछा कि मकान होने या न होने का वोट के अधिकार से कोई कनेक्शन नहीं है।

नई दिल्ली । राहुल गांधी सोमवार को दिल्ली में यमुना किनारे बसी बेला एस्टेट की झुग्गी बस्ती में पहुंचे। राहुल ने X पर इसका वीडियो शेयर किया, जिसमें बताया कि यहां 728 लोग रहते हैं। SIR के बाद वोटर लिस्ट में सिर्फ एक नाम बचा, बाकी 727 नाम काट दिए गए। राहुल ने बताया कि ये लोग दशकों से यहां रह रहे हैं। 2024 के लोकसभा, 2025 के दिल्ली चुनाव में वोट डाल चुके हैं। 2023 में इनके घर तोड़ दिए गए थे, पर ये कहीं नहीं गए, यहीं हैं।

राहुल ने दावा किया कि खुद CEC ज्ञानेश कुमार कह चुके हैं कि हाउस नंबर 0 बेघरों के लिए है। फिर भी 727 लोगों का नाम क्यों काट दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली एसआईआर के बाद 47 लाख से ज्यादा नाम कटे

31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में करीब 97 लाख नाम हैं। इससे पहले दिल्ली में 1.45 करोड़ वोटर थे। मतलब करीब 47.5 लाख नाम लिस्ट में नहीं आए। 33 लाख से ज्यादा वोटरों को उनके एन्यूमरेशन फॉर्म में गड़बड़ियों के कारण नोटिस भेजे गए हैं। इनमें से कई मामलों में डेटा का मिलान 2002 में हुए पिछले SIR के दौरान तैयार वोटर लिस्ट से नहीं हो पाया।



राहुल झुग्गी के लोगों के बीच बैठे, उनसे बातचीत की। इस पूरी चर्चा का वीडियो भी बनवाया।

संकट : 18 ग्रामीणों ने डीएम से लगाई फरियाद, बोले- रात में जेसीबी लेकर पहुंचे 50 से 60 लोग

उजड़े आशियाने : अब पुनर्निर्माण की गुहार

18 ग्रामीणों ने डीएम से लगाई फरियाद, बोले- रात में जेसीबी लेकर पहुंचे 50 से 60 लोग पुलिस कार्रवाई पर भी उठाए सवाल

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के बरियावन में मकान और दुकानों के ध्वस्त किए जाने के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। मामले में भगेलू, संग्राम, कमलेश कुमार, सोनू सोनी, विनोद कुमार, रविन्द्र वर्मा, राजेश कुमार और विपिन कुमार समेत 18 ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने के साथ ही मकान और दुकानों के पुनर्निर्माण की अनुमति देने की मांग की है। बरियावन जेसीबी प्रकरण में ग्रामीणों ने पुलिस की अब तक की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि घटना को कई दिन गुजरने के बाद पुलिस दस लोगों को गिरफ्तार कर सकी है, जबकि घटना की रात करीब 50 से 60 लोगों के मौके पर मौजूद होने की बात सामने आई थी। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि इतनी बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद थे तो बाकी लोगों पर कार्रवाई कब होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)



ऋण लेने से इनकार, पुनर्निर्माण की मांग

ग्रामीणों के मुताबिक शनिवार को उपायुक्त उद्योग और सहायक श्रमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में विभागीय योजनाओं की जानकारी दी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने बिना ब्याज के ऋण लेने से इनकार करते हुए मकान और दुकानों के पुनः निर्माण की मांग रखी है। उनका कहना है कि उनकी प्राथमिक जरूरत रोजगार के लिए पुराने मकान और दुकानों को फिर से खड़ा करना है।

रात 11 बजे जेसीबी लेकर पहुंचने का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बीते रविवार की रात करीब 11 बजे 50 से 60 अज्ञात लोग जेसीबी लेकर पहुंचे थे। इसके बाद उनके मकान और दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। उनका कहना है कि कार्रवाई रात में होने के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल सका। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि मकान और दुकान ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य सहारा थे। इनके ढह जाने से रोजगार के साथ परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई और घरेलू खर्च चलाने को लेकर भी परेशानी बढ़ गई है।

नेपाल में पहाड़ का हिस्सा टूटकर नदी में गिरा 14 मौत

कालीगंडकी का रास्ता मलबे से भरा

खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी



काठमांडू। नेपाल के मुस्तांग जिले में रविवार को भारी बारिश के बीच पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर कालीगंडकी नदी में जा गिरा। इस घटना में 14 लोगों की मौत हुई है।

सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा एक वीडियो वायरल है। इसमें चट्टानों और मिट्टी का पूरा मलबा कुछ ही सेकेंड में ढलान से नीचे आता दिख रहा है। देखते-देखते नदी का रास्ता मलबे से भर गया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों की चीखें सुनाई दे रही हैं।

24 घंटों में बाढ़, भूस्खलन से जुड़े 272 हादसे हुए

नेपाल 1 महीने में दूसरी बार भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई थी। इसमें 1453 लोगों की मौत हुई, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

आगरा में कालिख भी पोती, लखनऊ में पुलिस से भिड़े, काशी में महिलाएं चूड़ियां लेकर पहुंचीं

कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के घर पर लिखा गद्दार

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज/लखनऊ/वाराणसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर यूपी में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए हैं। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'।

लखनऊ में चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो वे भिड़ गए। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने हटाने की कोशिश की तो कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। पुलिसवालों ने उन्हें टांगकर वैन-बस में बैठाया और ईको गार्डन ले गए। वहीं, काशी में



द इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में रक्षक को लेकर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की। इनमें 4 आपत्तियां एक ही दिन की गई थीं। हालांकि, चुनाव आयोग ने कहा था कि ऐसी आपत्तियां सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एसआईआर समेत सभी अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पोस्टर को जूतों से पीटा। महिला कार्यकर्ताओं ने चूड़ियां लेकर प्रदर्शन किया। मुरादाबाद, गोरखपुर और सहारनपुर में भी कांग्रेसियों और पुलिसवालों के बीच धक्का-मुक्की हुई। गाजियाबाद में नेताओं ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया। हापुड़ में पुलिस ने 50 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। रायबरेली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर आधे घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। मुरादाबाद में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सिविल लाइंस के अंबेडकर पार्क में बड़ी संख्या में जुटे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की।

कुणाल चौधरी बोले- चुनाव आयोग भाजपा के सहयोगी संगठन की तरह कर रहा काम

बरेली के सिविल लाइंस स्थित होटल हवेली में यूथ कांग्रेस की पश्चिमी यूपी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने कहा- चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा, वह भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी संगठन के रूप में काम कर रहा है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं और मौजूदा सरकार अब वोट चोरी से आगे बढ़कर खुलेआम वोट डकैती करने लगी है।



वाराणसी में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने चूड़ियां लेकर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में पारदर्शिता पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि मतदाताओं के नाम हटाने समेत अन्य शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

गोरखपुर में तारपीन तेल के गोदाम में लगी आग

10 दमकल से फायर ब्रिगेड ने डेढ़ घंटे में काबू पाया

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के तिवारीपुर थाना क्षेत्र के मोहनलालपुर में सोमवार की शाम करीब 4:30 बजे तारपीन के तेल के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। जिसके बाद आस-पास के लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग ने और विकराल रूप धारण कर लिया।

सूचना पर फायर ब्रिगेड टीम के साथ तिवारीपुर थाने की पुलिस पहुंची। आग का विकराल रूप देखकर फायर ब्रिगेड टीम ने आस-पास के 20 से अधिक घरों को खाली करा दिया। टीम रेस्क्यू में जुट गई है। मौके पर 10 दमकल की गाड़ियां भी पहुंची। जिसके जरिए फायर ब्रिगेड टीम ने करीब डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। घटनास्थल पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे।



तिवारीपुर थाना क्षेत्र के मोहनलालपुर में कृष्णा गुप्ता का गोदाम है। वह कृष्ण बिल्डिंग मटेरियल नाम से दुकान चलाते हैं। जिसका गोदाम घर से थोड़ी दूरी पर बनाया है। गोदाम में बल्ली, पटरा के साथ ही ड्रम में तारपीन का तेल और थिनर रखा गया था। शाम करीब 4:30 बजे अचानक तारपीन के तेल वाले ड्रम में आग लग गई। इसके बाद आग की लपटें बाहर निकलने लगी।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

वाराणसी। वाराणसी में सोमवार सुबह तेज धूप खिली रही। सुबह का तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार करीब 5 किमी प्रति घंटा और नमी 81% रही। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 से 6 दिनों तक बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। वहीं, दूसरी ओर गंगा के जलस्तर में दोबारा बढ़ोतरी शुरू होने से घाट किनारे रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

जिससे शिकायत करनी हो करो, कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा

गोरखपुर । गोरखपुर में अपनी मांगों को लेकर ट्रांसपोर्ट एसोसिए-शन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाया कि प्राइवेट फिटनेस सेंटर पर कमर्शियल वाहनों की फिटनेस के लिए सरकारी फीस के बाद 15 से 20 हजार रुपए मांगा जाता है।

आरोप है कि इसमें परिवहन विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं, जिससे सरकार की छवि खराब हो रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि ठेकेदार बोलता है कि जिससे शिकायत करनी है कर दो कोई कुछ नहीं कर पाएगा।

चुनाव आयोग के बयान पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला

बाराबंकी । बाराबंकी में भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंथन करना चाहिए। सोमवार 3:30 बजे यह बात पंचायत अध्यक्ष राजधानी रावत और जिला अध्यक्ष बुलंद सिंह वर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।

वाराणसी की पंखा निर्माण फैक्ट्री में आग

तारपीन-सॉल्वेंट के ड्रमों से भड़की, आसपास के घर खाली कराए

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । वाराणसी के मंडुवाडीह इलाके में सोमवार भोर एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैली और कुछ ही देर में पूरा परिसर धुएं और लपटों से घिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। फैक्ट्री में पंखा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले तारपीन, सॉल्वेंट और अन्य ज्वलनशील केमिकल ड्रमों में रखे थे। आग के इन केमिकल तक पहुंचने की आशंका के चलते फायरकर्मियों ने बेहद सावधानी से ऑपरेशन चलाया। फैक्ट्री के मैनेजर अनादि-शंकर गुप्ता के मुताबिक, रात में संतोष मौर्य गार्ड की ड्यूटी पर तैनात थे। भोर करीब 4 बजे उन्होंने फैक्ट्री परिसर से धुआं उठता देखा।

गार्ड ने तत्काल फैक्ट्री प्रबंधन और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल की कई गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया।

फायर ब्रिगेड के अधिकारी विनोद पांडेय ने बताया कि फैक्ट्री तक पहुंचने वाला रास्ता काफी संकरा है। इस वजह से दमकल की बड़ी गाड़ियां फैक्ट्री के बिल्कुल पास तक नहीं पहुंच पा रही थीं।

ऐसे में दमकल की गाड़ियों को GT रोड पर खड़ा किया गया और लंबी पाइपलाइन के जरिए फैक्ट्री तक पानी पहुंचाकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया।

सीएम योगी ने एक मीडिया संस्थान के सम्मान समारोह में बच्चों को कविता पढ़कर सुनाई

'भाषण पूरा नहीं किया डर लग रहा था कि कहीं फिर ट्रोल न हो जाएं'

सीएम योगी ने रविकिशन की चुटकी ली

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 3 दिवसीय दौरे पर सोमवार को दोपहर बाद गोरखपुर पहुंचे। सबसे पहले दिग्विजयनाथ पीजी कालेज में आयोजित एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में पहुंचे। यहां बच्चों को संबोधित करते हुए रविकिशन पर चुटकी ली। CM योगी ने कहा- यहां सम्मानित करते हुए दिखा कि बेटियां आगे थीं और बेटे पीछे थे, यही कारण था कि रविकिशन भी संकोच के कारण भाषण पूरा नहीं दे पाए।

CM ने कहा- उनको लगा कि बेटियां ही बाजी मार रही हैं, बेटे पीछे हैं। उन्हें ऐसा लगा कि कहीं फिर से यहां ट्रोल न हो जाएं। आज आपके हिम्मत के सामने उनकी हिम्मत जवाब दे गई। CM ने बच्चों से पूछा- रविकिशन की तरह कितने लोग कलाकार बनना चाहते हैं। पीछे के बच्चों ने हाथ उठाया। सीएम ने कहा कि रविकिशन भी ऐसे ही पढ़ते थे। उन्होंने रविकिशन से कहा कि इन बच्चों को शूटिंग स्थल पर ले जाइए। रविकिशन ने कहा कि अगले महीने लेकर जाएंगे।





बच्चों से सीएम बोले- छुट्टियों में बच्चों को घूमना चाहिए

नींद चैन की त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।

कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती, और कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। सीएम ने बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए कविता पढ़कर सुनाई। उन्होंने कहा- कि छुट्टियों में बच्चों को घूमना चाहिए। अपने रिश्तेदारों के घर जाइए। माता-पिता सक्षम हैं तो देश भ्रमण पर भी जाइए और वहां सीखिए। उन्होंने कहा- आजकल AI की खूब चर्चा हो रही है। कोई अच्छी पुस्तक ही आपको प्रश्न करना सिखा पाएगी। हमने बेसिक, माध्यमिक शिक्षा परिषद से कहा है कि बच्चों के लिए न्यूज पेपर जरूर मंगवाइए। हम लोगों को बचपन में कहा जाता था कि एक हिन्दी का एक अंग्रेजी का न्यूज पेपर जरूर पढ़ो। म लोग जब छोटे थे तो संसाधान का अभाव था लेकिन जो संसाधन थे, उसका भरपूर उपयोग होता है। आज संसाधन की कमी नहीं है। अभिभावक के पास भी नहीं और शासन के पास भी नहीं। हमें अच्छा कर गुजरने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

महिला पहलवानों की अपील एक्सेप्ट, कोर्ट ने नोटिस जारी करके जवाब मांगा

सांसद विधायक कोर्ट में बृजभूषण पर चलेगा केस

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ MP-MLA कोर्ट में केस चलेगा। महिला पहलवानों की अपील कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। 25 सितंबर को महिला पहलवानों ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने नोटिस जारी करके बृजभूषण और विनोद तोमर से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 3 अगस्त को बृजभूषण और विनोद कुमार तोमर को यौन शोषण के आरोपों से बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले। शिकायतकर्ताओं की



कहानी में कई बातें मेल न खाती हैं।

महिला पहलवानों ने अपनी अपील में कहा है कि निचली अदालत का फैसला सही नहीं है। इसमें सबूतों का गलत आकलन किया गया है और यह सिर्फ अनुमान पर आधारित है। बृजभूषण शरण सिंह फोन पर कहा था- जिस दिन फैसला आया था मैंने उसी दिन कह दिया था कि जहां जाना चाहें वहां चली जाएं। इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है। बृजभूषण 20 जुलाई, 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई, 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। 2 जुलाई, 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुईं।



2023 में पहली बार लगे थे यौन उत्पीड़न के आरोप

यह मामला 2023 में सामने आया था। 6 महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसमें एक नाबालिग थी। FIR नहीं होने पर पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद अप्रैल 2023 में FIR दर्ज की गई। बाद में नाबालिग पहलवान ने शिकायत वापस ले ली थी।

महंत पर जानलेवा हमला, बाल-बाल बचे

प्रयागराज में घर के बाहर तमंचे से फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

हंडिया । प्रयागराज में रविवार की रात प्रसिद्ध पांडेश्वर नाथ धाम पड़िला शिव मंदिर के महंत अखिलेश गिरी पर फायरिंग का मामला सामने आया है। महंत का आरोप है कि कुछ अज्ञात बदमाश उनके घर के बाहर पहुंचे और तमंचे से फायर कर दिया। इस घटना में वह बाल-बाल बच गए। घर के बाहर एक खोखा पड़ा मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस संबंध में इंस्पेक्टर थरवई पंकज सिंह ने बताया कि-मामला संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है। जांच में सत्यता के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

महंत अखिलेश गिरी के मुताबिक घटना रविवार रात करीब 9 बजे की है। उस समय वह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात



लोग घर के बाहर पहुंचे। तमंचे से उनकी ओर फायर कर दिया। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में हड़कंप मच गया। महंत ने किसी तरह अपनी जान बचाई।

घटना की सूचना मिलते ही थरवई पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। महंत के घर के बाहर एक कारतूस मिलने की बात भी सामने आई है।

घटना के बाद अखिलेश गिरी, मंदिर के पुजारी समेत अन्य लोग थाने पर मौजूद रहे।

अलर्ट : यूपी में बारिश से 8 नदियां उफान पर, 2 मकान ढहे, 600 परिवारों ने घर छोड़ा

मुरादाबाद में छत पर चढ़े 3 तेंदुए

तमसा संकेत, एजेंसी



मुरादाबाद में छत पर एक साथ चढ़े 3 तेंदुए, गांवों में दहशत

मुरादाबाद के कांठ-ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुओं की बढ़ती सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत है। कांठ के समदगढ़ उर्फ सिकंदराबाद गांव में आबादी से करीब 500 मीटर दूर एक नलकूप की कोठरी की छत पर एक साथ 3 तेंदुए दिखाई दिए। ये वीडियो शुक्रवार रात का है। इस दौरान शहर में तेज बारिश हो रही थी।

घर छोड़कर तटबंध पर शरण लेने को मजबूर हैं। गोंडा और बदायूं में छोटे पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। लोग 2-3 फीट पानी के बीच से आवाजाही कर रहे हैं। सीतापुर में सरायन और पिरई नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 30 सेमी ऊपर पहुंच गया है। लोग ट्रैक्टर और जेसीबी से सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। उन्नाव में लोग

जलभराव और भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए 9 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बरेली, लखीमपुर-खीरी, पीलीभीत, संभल, बिजनौर और मुरादाबाद में 12वीं तक, जबकि गोंडा, बदायूं और जौनपुर में 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है।

मकानों और दुकानों की छतों पर रहने को मजबूर हैं। इधर, सोमवार को लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। करीब 96 घंटों के बाद मौसम साफ हुआ और धूप निकली।



24 घंटे में बारिश का असर बहुत कम हो जाएगा

वाराणसी के मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया- बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात अब यूपी से गुजरकर कमजोर पड़ गया है। 4 दिनों तक लगातार हुई बारिश अब थमने लगी है। अगले 24 घंटे में बारिश का असर बहुत कम हो जाएगा। सिर्फ नेपाल सीमा से सटे तराई वाले इलाकों में ही हल्की बारिश होगी। अक्टूबर की शुरुआत में पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। तेज धूप निकलेगी।

सरयू-घाघरा के रौद्र रूप से हेतमापुर में हाहाकार अब मंदिर पर भी मंडराया खतरा

हजारों बीघा जमीन और करीब 50 घर नदी में समाए, पशु चिकित्सालय भी कटान की जद में

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सरयू-घाघरा नदी के बढ़ते जलस्तर और लगातार हो रहे भीषण कटान ने हेतमापुर क्षेत्र में तबाही का ऐसा मंजर खड़ा कर दिया है कि ग्रामीणों की आंखों के सामने उनके खेत, आशियाने और वर्षों पुरानी विरासत नदी की तेज धार में समाती जा रही है। ऐसे में बढ़े जलस्तर की चपेट में अब सुंदरनगर, बेलहारी, भलाईपुर, बाबापुरवा, ललपुरवा, सकतापुर, कोड़री, सरसंडा समेत दर्जनों गांव बाढ़ के पानी से घिरे जबकि कई घरों में पानी भी घुस ऐसे में नदी का रुख लगातार बदल रहा है और कटान का दायरा बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार अब तक हजारों बीघा कृषि भूमि नदी में समा चुकी है, जबकि करीब 50 घर भी कटान की भेंट चढ़ चुके हैं। खेतों के बाद अब नदी की धार आबादी और



महत्वपूर्ण स्थानों की ओर बढ़ रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि कई परिवार अपने हाथों से घर तोड़कर उसमें रखा जरूरी सामान निकालने को मजबूर हैं, ताकि नदी की धार सब कुछ अपने साथ बहाकर न ले जाए। हेतमापुर क्षेत्र में इन दिनों सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है, जो अपने ही घर को टूटता देखकर सामान समेट रहे हैं। किसी परिवार ने चारपाई और अनाज सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया तो किसी ने घर की ईंट और खपरैल तक बचाने की कोशिश की। कई परिवार बाढ़ राहत केंद्रों का रुख कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग अपने नाते-रिश्तेदारों के यहां शरण लेने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें यह तक पता नहीं कि अगली सुबह उनका घर और खेत सुरक्षित मिलेंगे या नहीं। नदी की धार जिस तेजी से जमीन काट रही है, उससे हर पल अनहोनी का डर बना हुआ है। कटान की सबसे चिंताजनक तस्वीर श्री श्री 108 जय बाबा नारायण दास जी महाराज की तपोस्थली मंदिर के पास दिखाई दे रही है। सरयू-घाघरा की धार मंदिर के बेहद करीब पहुंच चुकी है। जिस स्थान पर श्रद्धालु वर्षों से पूजा-अर्चना करते आए हैं, अब वही स्थान नदी की कटान के मुहाने पर खड़ा है। महंत उदित नारायण और उनकी पत्नी की समाधि भी कटान की चपेट में आकर नदी में समा चुकी है। धार्मिक स्थल और समाधियों के नदी में समाने से क्षेत्र के लोगों में गहरी चिंता और पीड़ा है।

श्याम सुंदर वर्मा का विपक्ष पर हमला, बोले- महापुरुषों के नाम वाले जिलों और योजनाओं पर भी जवाब दें

‘बाबा साहब का नाम लेने से पहले अपने कार्यकाल का हिसाब दें’

विरोध

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधू वर्मा ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर राजनीति को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज बाबा साहब का नाम लेने वाले नेताओं को पहले अपने कार्यकाल का हिसाब देना चाहिए। जनता उनसे पूछे कि दलितों और महापुरुषों के लिए उन्होंने क्या किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से डॉ. आंबेडकर के जीवन से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किए जाने का उल्लेख



किया। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से संत रविदास के नाम से जिले का नाम फिर किए जाने की बात कही। श्याम सुंदर वर्मा ने कहा कि महापुरुषों के नाम और उनसे जुड़े सम्मान के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय नेताओं को अपने कार्यकाल का काम जनता के सामने रखना चाहिए।

‘दलित हित की बात करने वाले अपना रिकॉर्ड बताएं’

जिला पंचायत प्रशासक ने कहा कि राजनीतिक दल जब जनता के बीच जाएं तो उनसे उनके कार्यकाल में दलितों के लिए किए गए कामों का हिसाब पूछा जाना चाहिए। उन्होंने अंबेडकरनगर के मेडिकल कॉलेज से जीवन रक्षक उपकरण आजमगढ़ भेजे जाने का भी मुद्दा उठाया और कहा कि उस समय जिले के नेताओं को इसका जवाब देना चाहिए।

> श्याम सुंदर वर्मा ने कहा कि जिन लोगों ने सत्ता में रहते हुए प्रमोशन में आरक्षण का विरोध किया, वे आज डॉ. आंबेडकर की बात कर रहे हैं। उनके अनुसार, इसी दौरान महापुरुषों के नाम पर बनाए गए कई जिलों के नाम बदले गए। उन्होंने कहा कि अंबेडकरनगर के अस्तित्व को लेकर भी उस समय सवाल खड़े हुए थे।

‘जिलों के नाम बदलने पर भी दें जवाब’

उन्होंने कहा कि संत रविदास नगर, महात्मा ज्योतिबा फुले नगर, कांशीराम नगर, महामाया नगर और पंचशील नगर जैसे नामों से जुड़े जिलों के नाम बदले गए। 2012 में उत्तर प्रदेश में कई जिलों के नाम बदले जाने की घटनाएं दर्ज हैं। श्याम सुंदर वर्मा ने कहा कि उस समय महापुरुषों के सम्मान को लेकर सवाल उठाने वाले लोग कहां थे। उन्होंने महामाया महिला पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले बालिका मदद योजना और डॉ. आंबेडकर ग्राम विकास योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को लेकर भी जनता को नेताओं से सवाल करना चाहिए।

श्रमिकों का बनेगा डिजिटल प्रोफाइल रोजगार की राह होगी आसान

बनियानी में श्रम विभाग का जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी ब्लॉक की ग्राम पंचायत बनियानी में सोमवार को श्रम विभाग की ओर से श्रमिक जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर लगाया गया। इसमें श्रमिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पंजीकरण और डिजिटल सुविधाओं से जोड़ा गया। शिविर में नए श्रमिकों का पंजीकरण किया गया और पात्र श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड बनाए गए।



श्रम विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (BOCW) की योजनाओं की जानकारी दी गई। श्रमिकों को बताया गया कि पंजीकरण के बाद उपलब्ध योजनाओं का लाभ लेने के लिए किन प्रक्रियाओं को पूरा करना होता है। पुराने पंजीकृत श्रमिकों को नवीनीकरण की प्रक्रिया भी समझाई गई। शिविर में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की पात्रता और पंजीकरण प्रक्रिया पर भी जानकारी दी गई। श्रमिकों को योजना से संबंधित जरूरी प्रक्रिया समझाई गई। शिविर में यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप को लेकर श्रमिकों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। श्रमिकों के मोबाइल में मौके पर ही ऐप डाउनलोड कराया गया। प्रोफाइल पूरी करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। विभाग की ओर से ऐप की डिजिटल सुविधाओं और रोजगार से जुड़ी जानकारी के बारे में बताया गया। इससे श्रमिकों को डिजिटल माध्यम से उपलब्ध अवसरों की जानकारी लेने की सुविधा मिलेगी।

फास्ट न्यूज

वरिष्ठ पत्रकार दयाराम सिंह का निधन

अंबेडकरनगर। क्षेत्र की जनसमस्याओं को अपनी लेखनी के जरिए उठाने वाले वरिष्ठ पत्रकार और प्रेस क्लब आलापुर के संरक्षक दयाराम सिंह का सोमवार को 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पत्रकारिता जगत और क्षेत्र में शोक का माहौल है। दयाराम सिंह ने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में स्थानीय समस्याओं, सामाजिक सरोकारों और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

मंदिरों-घाटों पर चला स्वच्छता का विशेष अभियान

टांडा। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत सोमवार को नगर क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे 157 घंटे के सतत स्वच्छता अभियान के क्रम में धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों के साथ घाटों पर विशेष सफाई कराई गई। अधिशाषी अधिकारी प्रियंका मिश्रा के निर्देश पर हनुमानगढ़ी मंदिर घाट, झारखंड महादेव मंदिर समेत अन्य मंदिरों के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। सफाई के बाद संबंधित स्थानों पर एंटीलार्वा दवाओं का छिड़काव भी कराया गया।

फरियादियों की बात सुनी, अफसरों से मांगा जवाब

अंबेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में सोमवार को जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायतों में हुई कार्रवाई और प्रकरण की स्थिति की जानकारी ली। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार परीक्षण किया जाए।

तीन ब्लाकों की जिम्मेदारी एक निरीक्षक को राशन कटौती पर कोटेदारों का विरोध

ठेकेदारों और सप्लाई निरीक्षकों की कथित सांठगांठ का आरोप

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। सरकारी राशन वितरण व्यवस्था को लेकर कोटेदारों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कोटेदारों ने खाद्यान्न में कटौती और जबरन वसूली के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि ठेकेदारों और कुछ सप्लाई निरीक्षकों की कथित सांठगांठ से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले की शिकायत डीएम और एडीएम से की जा चुकी है।

कोटेदारों का कहना है कि उन्हें निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न नहीं मिल रहा है। आपूर्ति के दौरान कटौती किए जाने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त रकम की मांग किए जाने की भी शिकायत है। इससे कोटेदारों में नाराजगी है।

मामले में जिला पूर्ति अधिकारी के स्तर से एक सप्लाई निरीक्षक को तीन ब्लाकों का चार्ज दिए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। कोटेदारों के मुताबिक जिले में दो एआरओ मौजूद



हैं। इसके बावजूद तीन ब्लाकों की जिम्मेदारी एक ही निरीक्षक को दी गई है। उनका कहना है कि एआरओ को भी जिम्मेदारी दी जा सकती थी।

कोटेदारों ने प्रशासन से व्यवस्था की जांच कराने और शिकायतों का समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अधिकारियों से शिकायत के बावजूद यदि स्थिति नहीं बदली तो सामूहिक रूप से प्रदर्शन किया जाएगा। कोटेदारों ने विभागीय स्तर पर पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की है। अब शिकायतों पर प्रशासन और जिला पूर्ति विभाग की कार्रवाई का इंतजार है। आरोपों की जांच के बाद ही कटौती और वसूली की शिकायतों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चित्रों में उतरा संकल्प भाषण में गूंजे बच्चों के विचार

सेवा संकल्प अभियान में भियांव के 20 विद्यालयों की भागीदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान 2026-27 के तहत सोमवार को भियांव विकास खंड में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विकास खंड के 20 माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने इसमें हिस्सा लिया। चित्रकला में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पना को रंगों के जरिए प्रस्तुत किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे।



प्रतियोगिता में पं. दीन दयाल राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज इन्धना, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगढ़, राजकीय बालिका हाईस्कूल रतना, जनता इंटर कॉलेज नेवादा, गांधी स्मारक इंटर कॉलेज नत्थूपुर लौधना, रामलोचन इंटर कॉलेज शिवपाल, महात्मा गोविन्द साहब इंटर कॉलेज दुल्हुपुर और राष्ट्रीय इंटर कॉलेज सैदहीं समेत 20 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा एसबीएस कॉलेज मठिया (सीबीएसई), स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज जैतपुर, बालिका इंटर कॉलेज साधना धाम बेगीकोल, रामबली ग्रामोदय बालिका इंटर कॉलेज महुलिया, शारदा स्मृति इंटर कॉलेज नेवादा, श्री राम फेर मौर्य बालिका इंटर कॉलेज पैकौली बाजार, एसएन सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज पूराबदलही और राम मूरत लालदेई इंटर कॉलेज बेरमा के छात्र-छात्राएं भी प्रतियोगिता में शामिल हुए। अभियान के अगले चरण में 29 सितंबर से जहांगीरगंज विकास खंड में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लाइसेंस की अड़चन दूर हो, जिले में खुले ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पूर्व सैनिक कल्याण संघर्ष समिति ने पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से जुड़ी समस्याओं को लेकर आवाज उठाई है। समिति की ओर से जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को ज्ञापन भेजकर शस्त्र लाइसेंस के नवीनीकरण में आ रही दिक्कतों को दूर करने और जिले में ECHS पॉलीक्लीनिक स्थापित करने की मांग की गई।

समिति ने कहा कि कई पूर्व सैनिकों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त हो चुके हैं। नए लाइसेंस के लिए आवेदन किए जाने के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। समिति ने लाइसेंस नवीनीकरण में होने वाली देरी को दूर करने की मांग की। ज्ञापन में पात्र पूर्व सैनिकों को नए शस्त्र लाइसेंस जारी करने और लाइसेंस संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग भी शामिल है।

समिति की दूसरी प्रमुख मांग अम्बेडकरनगर में ECHS पॉलीक्लीनिक की स्थापना को लेकर



> पूर्व सैनिक कल्याण संघर्ष समिति ने डीएम के माध्यम से शासन को भेजा ज्ञापन, नवीनीकरण और नए लाइसेंस की प्रक्रिया आसान करने की मांग

है। समिति के अनुसार, जिले के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को ECHS से जुड़ी चिकित्सा सुविधाओं के लिए दूसरे जनपदों में जाना पड़ता है।

समिति ने कहा कि दूर के जनपदों तक आने-जाने में खासकर वृद्ध और बीमार पेंशनभोगियों को परेशानी होती है। ऐसे में अम्बेडकरनगर में ही ECHS पॉलीक्लीनिक स्थापित किए जाने की जरूरत है।

चंदापुर में प्रधानमंत्री आवास योजना का मामला, छप्पर में रह रही महिला का आवास शिकायत पर निरस्त होने का आरोप

पात्र का आवास कटवाने वाले पर ही उठे पात्रता के सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में पात्रता को लेकर भीटी विकासखंड के चंदापुर गांव में विवाद खड़ा हो गया है। गांव निवासी सीमा पत्नी श्रीनाथ मिश्रा का नाम आवास योजना के लाभार्थियों में आया था। आरोप है कि गांव के ही रक्षाराम तिवारी की शिकायत के बाद उनका आवास यह कहते हुए निरस्त कर दिया गया कि उनके पास पहले से पक्का मकान है।

ऐसे में ग्रामीणों ने दोनों परिवारों की पात्रता की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सीमा के आवास को लेकर की गई शिकायत और शिकायतकर्ता परिवार की योजना में पात्रता, दोनों की जांच एक साथ होनी चाहिए।

> सीमा अपने चार बच्चों के साथ छप्पर में रहने की बात सामने आई है। उनके पति वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आवास निरस्त किए जाने की शिकायत के बाद अब मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

शिकायतकर्ता पक्ष की पात्रता पर भी सवाल

ग्रामीणों के अनुसार रक्षाराम तिवारी की पत्नी सुमन का नाम भी प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की सूची में दर्ज है। बताया जा रहा है कि सूची में सुमन पत्नी रक्षाराम का नाम क्रमांक 62 पर है। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि उनके परिवार के पास करीब 4000 वर्गफीट में मकान का निर्माण चल रहा है। मकान की दीवारें खड़ी हो चुकी हैं और छत का काम बाकी है।



ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी भीटी से स्थलीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि योजना के निर्धारित मानकों के आधार पर दोनों पक्षों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। इससे पात्र लाभार्थी को योजना का लाभ मिलने और अपात्र नाम की पहचान होने की स्थिति साफ हो सकेगी।

मामले में खंड विकास अधिकारी भीटी राजेंद्र कुमार तिवारी की ओर से जांच और कार्रवाई की जानकारी सामने आना बाकी है।

ताजूपुर सड़क पर बिछ रही परत ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल

जलालपुर-अकबरपुर मार्ग के संपर्क रास्ते पर निर्माण में मानक नजरअंदाज करने की शिकायत, ग्रामीणों ने जांच की मांग की

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर-अकबरपुर मार्ग से जुड़े ताजूपुर संपर्क मार्ग पर लोक निर्माण विभाग की ओर से चल रहे सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किए जाने की शिकायत की है। ग्रामीणों ने मौके पर जांच कराकर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर बिछाई जा रही सामग्री की मोटाई और गुणवत्ता को लेकर खामियां दिखाई दे रही हैं। कई जगह सड़क की सतह समतल नहीं है। सामग्री के पर्याप्त दबाव नहीं होने की भी



शिकायत की गई है। लोगों का कहना है कि निर्माण पूरा होने के बाद सड़क की मजबूती प्रभावित हो सकती है। ताजूपुर संपर्क मार्ग आसपास के गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ता है। इस रास्ते से ग्रामीण रोजाना आवागमन करते हैं। किसानों के लिए भी यह मार्ग कृषि उपज ले जाने का प्रमुख रास्ता है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण की गुणवत्ता में कमी रही तो सड़क जल्दी खराब हो सकती है। स्थानीय लोगों ने पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है। साथ ही सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन कराने की बात कही है।

1 से 3 अक्टूबर तक चयनित व्यवसाय और संस्थान में लेना होगा प्रवेश

प्रशिक्षार्थियों को बुलावा पत्र व अभिलेख साथ लाना अनिवार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान टांडा में प्रशिक्षण सत्र 2026-27 के प्रवेश की प्रक्रिया के तहत चतुर्थ चरण शुरू होगा। प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण में प्रवेश लेने वाले ऐसे प्रशिक्षार्थी, जिन्होंने व्यवसाय या संस्थान बदलने के लिए फ्लोट विकल्प पर हस्ताक्षर किया था, लेकिन उनका उच्चीकरण नहीं हो सका, उन्हें अब चतुर्थ चरण में अवसर मिलेगा।

प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई टांडा ने बताया कि जिन प्रशिक्षार्थियों को चतुर्थ चरण में मनपसंद व्यवसाय या संस्थान के लिए मोबाइल पर संदेश प्राप्त होगा, वे निर्धारित अवधि में प्रवेश ले सकते हैं। इसके लिए संबंधित प्रशिक्षार्थी को संदेश में चयनित व्यवसाय और संस्थान की जानकारी के अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

चयनित प्रशिक्षार्थियों को एक से तीन अक्टूबर तक संबंधित व्यवसाय



और संस्थान में उपस्थित होकर प्रवेश लेना होगा। प्रवेश के समय प्रशिक्षार्थियों को अपने सभी आवश्यक अभिलेख और बुलावा पत्र साथ ले जाना होगा। चतुर्थ चरण की प्रक्रिया उन प्रशिक्षार्थियों के लिए है, जिन्होंने पहले किसी चरण में प्रवेश लिया था और बाद में व्यवसाय या संस्थान में स्थानांतरण के लिए फ्लोट विकल्प चुना था। उच्चीकरण नहीं होने की स्थिति में मोबाइल पर संदेश मिलने के बाद वे चयनित व्यवसाय या संस्थान में प्रवेश ले सकेंगे। प्रधानाचार्य ने संबंधित प्रशिक्षार्थियों से निर्धारित तिथि के भीतर अभिलेखों और बुलावा पत्र के साथ उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा है।

खतरा : विश्व रेबीज दिवस पर मेडिकल कॉलेज और पशुपालन विभाग ने चलाया अभियान

कुत्ते के काटने को न करें नजरअंदाज

> पालतू व निराश्रित कुत्तों का हुआ निःशुल्क टीकाकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पशु के काटने या खरोंचने के बाद की गई लापरवाही रेबीज का खतरा बढ़ा सकती है। विश्व रेबीज दिवस पर सोमवार को जिले में चले जागरूकता अभियान में लोगों को इससे बचाव के जरूरी उपाय बताए गए। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने टांडा और अकबरपुर में जागरूकता कार्यक्रम किया। पशुपालन विभाग ने पांच स्थानों पर पालतू और निराश्रित कुत्तों का निःशुल्क टीकाकरण किया। ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र टांडा और शहरी स्वास्थ्य



15 मिनट तक धोएं घाव

प्रशिक्षण केंद्र अकबरपुर में आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सकों ने बताया कि कुत्ते, बिल्ली या किसी अन्य पशु के काटने अथवा खरोंचने पर घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद बिना देरी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना चाहिए। चिकित्सक की सलाह से एंटी-रेबीज वैक्सीन और जरूरत पड़ने पर रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन (आरआईजी) लगाया जाता है। वैक्सीन का पूरा कोर्स करना भी जरूरी है। लोगों को यह भी बताया गया कि घाव पर मिर्च, हल्दी, तेल, चूना, मिट्टी या कोई अन्य घरेलू पदार्थ न लगाएं। आवारा या संदिग्ध व्यवहार वाले पशुओं से दूरी बनाए रखें। पशु के काटने या खरोंचने की घटना को छिपाने के बजाय तत्काल स्वास्थ्यकर्मी को जानकारी दें।

पांच स्थानों पर लगा एंटी-रेबीज टीका

पशुपालन विभाग की ओर से राजकीय सदर पशु चिकित्सालय अकबरपुर, टांडा, जलालपुर, भियांव (रत्ना) और जहांगीरगंज में कुत्तों के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया। पालतू और निराश्रित कुत्तों को निःशुल्क एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई। पशु प्रेमियों ने भी अपने पालतू कुत्तों के साथ निराश्रित कुत्तों का टीकाकरण कराया।

मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव और विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ।

रक्तदान में गाजी फाउंडेशन का दबदबा, जिले में पहला स्थान

सर्वे में सक्रिय संस्थाओं के बीच मिली पहली पायदान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाने के अभियान में गाजी फाउंडेशन ने जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं को लेकर हुए सर्वे में फाउंडेशन को प्रथम स्थान मिला है। फाउंडेशन से जुड़े आंकड़ों के अनुसार अब तक 6,019 यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा चुका है। फाउंडेशन की इस पहल में अध्यक्ष मुराद अली की भूमिका प्रमुख रही है। उनकी अगुवाई में रक्तदान शिविरों के आयोजन के साथ जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था कराने का काम लगातार किया जा रहा है। युवाओं को रक्तदान से जोड़ने और जरूरत के समय रक्त उपलब्ध कराने के लिए फाउंडेशन की टीम सक्रिय रहती है। रक्तदान अभियान को आगे बढ़ाने में मुराद अली के



प्रयासों की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है। उन्होंने युवाओं और रक्तदाताओं को अभियान से जोड़ने पर जोर दिया। सोशल मीडिया और स्थानीय संपर्क के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाने की पहल भी की जाती है। फाउंडेशन के अनुसार 6,019 यूनिट रक्त अब तक जरूरतमंदों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा चुका है। सर्वे में प्रथम स्थान मिलने के बाद फाउंडेशन से जुड़े लोगों ने इसे रक्तदाताओं, युवाओं और सहयोगियों की भागीदारी का परिणाम बताया।

सम्पादकीय

अस्थिर मौसम की चुनौती



बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात अर्नब और उससे उपजे प्रभाव के चलते उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश समेत देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों में जो भारी बारिश हुई, उसने आम लोगों के समक्ष तो समस्याएं पैदा ही कीं, फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। कुछ राज्यों में लोगों की जान भी गई। अत्यधिक बारिश के कारण नदियां उफना गईं और इसके चलते बाढ़ का खतरा पैदा हो गया।

मौसम में यकायक यह अप्रत्याशित तब्दीली इसलिए भी आई, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातीय सिस्टम से मिल गया। यह पहली बार नहीं है जब देश के कुछ हिस्सों में कम समय में अत्यधिक बारिश हुई हो और उसके चलते जनजीवन में बाधा पड़ी हो। पिछले कुछ वर्षों से ऐसा रह-रहकर होने लगा है। इसका प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन है।

वैसे तो जलवायु परिवर्तन और उसके दुष्प्रभावों को लेकर एक लंबे समय से चिंता जताई जा रही है, लेकिन समस्या यह है कि विश्व समुदाय इस चुनौती का सामना करने के लिए अपेक्षित एकजुटता दिखाने के लिए तैयार नहीं। यह स्थिति तब है, जब यह माना जा रहा है कि वायुमंडल के बढ़ते तापमान को रोकने का लक्ष्य पीछे छूटता चला जा रहा है।

कहना कठिन है कि विश्व समुदाय जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कब कमर कसेगा? जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक केंद्र और राज्य सरकारों को जलवायु परिवर्तन के रूप में अत्यधिक बारिश जैसी आपदाओं का जो सामना करना पड़ रहा है, उसके लिए पर्याप्त तैयारी रखने के प्रबंध करने होंगे। विशेष रूप से राज्य सरकारों को, क्योंकि अक्सर यह देखने में आता है कि वे आपदाओं से निपटने में अपनी तैयारी या पर्याप्त प्रबंध के बजाय केंद्र सरकार से मिलने वाली मदद की ओर ही अधिक ताकती रहती हैं।

यह देखने में आ रहा है कि अत्यधिक बारिश और उसके चलते बाढ़ के कारण जान-माल को जो नुकसान होता है, वह कई बार बुनियादी ढांचे की कमजोरी के चलते भी होता है। अब जब इसकी आशंका बढ़ती जा रही है कि मौसम में अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिलते रहेंगे, तब फिर अत्यधिक बारिश से निपटने के ठोस उपाय करने के अलावा और कोई चारा नहीं।

अतिवृष्टि के साथ ही अल्पवृष्टि से भी निपटने के उपाय करने होंगे, क्योंकि एक ओर जहां देश के अनेक राज्यों को भारी वर्षा का सामना करना पड़ रहा है, वहीं देश के कुछ हिस्सों और विशेष रूप से महाराष्ट्र में सूखे का संकट उभर रहा है। यह ध्यान रहे कि चाहे अतिवृष्टि हो या अल्पवृष्टि, दोनों ही खाद्य सुरक्षा को संकट में डालने का काम करती हैं और खाद्य सुरक्षा के समक्ष संकट पैदा होने से अर्थव्यवस्था की चुनौतियां बढ़ती हैं।

पाकिस्तान के बेतूके सवाल भारत के सटीक जबाव

> 66
> यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है।



संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ? पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्राथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो।

– ललित गर्ग

वर्तमान समय में...

चेतन चौहान

दीर्घायु जीवन हेतु दिलेनादां को संभालिए !

> आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में जिसका हृदय स्वस्थ है वहीं लम्बे समय तक जीवन जीता है। लेकिन विषम परिस्थितियों में वर्तमान दशा व दिशा पर गौर करें तो हम स्वस्थ रहने के लिए रोज की दिनचर्या से पूरी तरह से लापरवाह हो चुके हैं।

पिछले कुछ वर्षों से हृदय रोगियों की संख्या में तेजी से होता इजाफा अब प्रत्येक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय बन गया है। एक समय ऐसा भी था जब उम्रदराज लोग हार्ट अटैक का शिकार हो जाते थे लेकिन अब तो 25 वर्ष से 40 वर्ष तक के युवा वर्ग में कार्डियक अरेस्ट आना सामान्य सा हो गया है। आये दिन सुनने को मिलना है कि अमुक व्यक्ति के हृदय में 80% या 90 % ब्लाकेज की शिकायत पाई गई है। ब्लाकेज से हमारा तात्पर्य यह है कि हृदय तक रक्त सप्लाई करने वाली रक्तधमनियों में जमाव होना है। जब धमनियों में रक्त के कतरे जम जाते हैं तब मनुष्य की छाती में बांई ओर दर्द व भारीपन महसूस होने लगता है। इसका कारण हमारे शरीर में प्रवाहित रक्त में ट्राइग्लिसिराइड की मात्रा बढ़जाती है व खून गाढ़ा हो जाता है। उसमें थक्के बनने लगते हैं। जिसकी वजह से हृदय तक खून व ऑक्सीजन नहीं पहुँच पाती है। फलस्वरूप हमारे मस्तिष्क को भी रक्तकप्रवाह आसानी से नहीं मिल पाता है। नतीजा, रोगी को हार्ट अटैक का सामना करना पड़ता है. कई मर्तबा तो रोगी असहनीय दर्द से कराह उठता है व उसकी मृत्यु तक हो जाती है। आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में जिसका हृदय स्वस्थ है वहीं लम्बे समय तक जीवन जीता है। लेकिन विषम परिस्थितियों में वर्तमान दशा व दिशा पर गौर करें तो हम स्वस्थ रहने के लिए रोज की दिनचर्या से पूरी तरह से लापरवाह हो चुके हैं। प्राकृतिक संसाधनों से हम पूरी तरह से कट चुकें है यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी लोग हृदयघात से कहीं ज्यादा पीडित हैं। आज हमारा खान-पान पूरी तरह से बदल चुका है जिससे आमलोगों में मोटापा, ब्लडप्रेशर, शुगर व कोलेस्ट्रॉल तेजी से घर कर रहा है जो शीघ्र ही हमारे स्वस्थ शरीर को बीमारू बना रहा है। भोजन के साथ हम वसायुक्त चीजों का सेवन भरपूर कर रहे हैं जो हमारे शरीर मे कोलोस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ा रहा है। एक जमाना ऐसा भी था जब दिल के दर्द व उसके मर्ज की पहचान इतनी आसान न थी जितनी की अब चिकित्सा विज्ञान ने कर ली है। हृदय रोगविशेषज्ञों की मानें तो जिन लोगों के जीन में भागदौड़ ' की अधिकता है उन्हें हृदय रोग होने का खतरा ज्यादा है।' वर्तमान समय में हृदय रोग का इलाज नये संसाधनों से काफी सुगम होगया है यानि की 'हृदय प्रत्यारोपण अब सामान्य सा उपचार हो गया - है अनेक चिकित्सकीय परीक्षणों में पाया गया है कि दिल का दौरा पड़ने पर दवाइंयों पर निर्भर रहने वाले तथा वे लोग जिनकी एंजियोप्लास्टी अथवा - बाईपास सर्जरी हो चुकी है, यदि वे अपना खानपान एवं जीवनशैली में बदलाव लाते हैं तो निश्चय ही उनके अधिक समय तक स्वस्थ रहने की संभावना बढ़ जाती है। तनाव मुक्त जीवन और मानसिक नियन्त्रण हृदय रोगी के लिए बहुत जरूरी है' इनका अभ्यास कठिन अवश्य है परन्तु असंभव नहीं है जीवन शैली में परिवर्तन से जटिल हो चुके हृदयरोग में सुधार की संभावना बलवती होती है। स्वस्थ जीवन शैली अपनाने से रक्त प्रवाह में सुधार व धमनियों के अवरोध कम होने के प्रमाण मिले हैं। सही व शुद्ध खानपान से एंजाइना का दर्द उठने की आशंका भी कम होती है। रक्त में कोलेस्ट्रेल की मात्रा नियंत्रित करने में कई मर्तबा दवाईयों से कहीं अधिक लाभ सही खानपान से होता है। खानपान संयत जीवन शैली सहनशक्ति के अन्तर्गत शारीरिक श्रम, प्रतिदिन तीन चार किलोमीटर घूमना तथा मानसिक एवं भावनात्मक परिष्कार शारीरिक संतुलन से कहीं अधिक लाभ पहुंचाता है। हृदय रोगियों के लिए यह सलाह महत्वपूर्ण है कि डॉक्टर जिन दवाइयों की अनुशंसा करता है उनमें अपनी मर्जी से रद्दोबदल न करें। दवा नियत समय पर लें व समय- समय पर डॉक्टर की सलाह पर हृदय संबंधी जांचे अवश्य करवायें व अपने डा. से रूबरू हो, यदि कोई शिकायत भी है तो उसे नजरअंदाज न करें बल्कि डा0 से परामर्श अवश्य लें। हृदय रोग व सही समय पर इलाज लेना अब कोई जटिल समस्या नहीं है, चूंकि हृदय रोग की चिकित्सा के बाजार में अनगिनत अस्पताल खुल गये हैं सरकारी व गैर सरकारी अस्पतालों में केन्द्र व राज्यसरकारों की अनुशंसा से गरीब मरीजों के लिए भी राह आसान हो गई है। लम्बे स्वास्थ्य के लिए दिले नांदा की संभाल करना जरूरी है, और इसके लिए यदि हम अपनी दृढ इच्छा शक्ति को मजबूत रखने में कामयाब हो जाते हैं तो रोगमुक्त जीवन जी सकते हैं।

हृदयरोग की रोकथाम हेतु अथक प्रयास की जरुरत नहीं है बल्कि इसके लिए नियमित शारीरिक व्यायाम, भोजन में विभिन्न मौसमी फल कच्ची तथा उबली सब्जियां, सलाद मोटा अनाज, चिकनाई रहित दूध प्रतिदिन दही या मट्ठा, व हर्बल टी सेवन करने के साथ-साथ तला भुना, नमकव चीनी व शराब, तम्बाकू, को उपयोग में लाना पूरी तरह से बन्द करना पड़ेगा।

औसतन 14...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में पोषण पुनर्वास केंद्र बना कुपोषित बच्चों के लिए जीवनदायिनी संबल

बलरामपुर में बाल कुपोषण के प्रभावी उन्मूलन और पांच वर्ष तक के नौनिहालों को सुपोषित जीवन प्रदान करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) एक जीवनदायिनी संबल के रूप में स्थापित हुआ है। जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में संचालित यह केंद्र गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) से ग्रस्त और चिकित्सीय जटिलताओं से जूझ रहे बच्चों को नवजीवन देने में निरंतर अग्रणीय भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 21 अप्रैल 2015 से क्रियान्वित इस केंद्र ने अब तक जनपद के 2,398 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को संस्थागत उपचार और पोषण पुनर्वास की परिधि में लिया है। सुनियोजित चिकित्सकीय प्रबंधन, विशेष चिकित्सीय आहार और सघन निगरानी के फलस्वरूप इनमें से 2,187 बच्चे पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट चुके हैं। वर्तमान में भी 11 अति कुपोषित बच्चों का निर्धारित मानकों के तहत गहन उपचार जारी है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से जमीनी स्तर पर सक्रिय अंतर-विभागीय अभिसरण तंत्र इस सफलता की प्रमुख आधारशिला है। सुदूर ग्रामीण व तराई अंचलों में तैनात आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की सचल स्वास्थ्य टीमों द्वारा घर-घर जाकर बच्चों की नियमित स्क्रीनिंग की जाती है। चिकित्सीय परीक्षण में पुष्टि होते ही बच्चों को एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से बिना किसी विलंब के पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराया जाता है। केंद्र में 24 घंटे बाल रोग विशेषज्ञों और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की देखरेख सुनिश्चित की गई है। कुपोषण से जुड़ी द्वितीयक जटिलताओं जैसे संक्रमण, रक्त शर्करा की कमी (हाइपोग्लाइसीमिया), शारीरिक तापमान में गिरावट (हाइपोथर्मिया), निर्जलीकरण तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों की आपूर्ति पर निरंतर नियंत्रण रखा जाता है। प्रत्येक बच्चे के शारीरिक तापमान, नाड़ी और दैनिक आहार ग्रहण का नियमित रिकॉर्ड दर्ज होता है।

औसतन 14 दिनों की भर्ती अवधि के दौरान बच्चों के वजन में दैनिक प्रगति की वैज्ञानिक ट्रैकिंग की जाती है। इसके साथ ही, लंबे समय तक कुपोषण के प्रभाव से बाधित होने वाले संज्ञानात्मक और सामाजिक विकास को गति देने के लिए केंद्र में संवेदी प्रोत्साहन कक्ष की व्यवस्था है, जहां आयु-अनुकूल खिलौनों और खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास को पुनः सक्रिय किया जाता है। बलरामपुर के इस केंद्र के सकारात्मक प्रभाव की पुष्टि वहां से स्वस्थ होकर लौटे बच्चों के मामलों से होती है। कुपोषण के साथ गंभीर शारीरिक व पेशीय दुर्बलता से पीड़ित बालक मोहित जब केंद्र लाया गया था, तब वह अत्यधिक कमजोरी के कारण अपने पैरों पर खड़ा होने और चलने में पूरी तरह असमर्थ था। एनआरसी में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में चले 15 दिवसीय गहन उपचार और सुधारात्मक चिकित्सीय आहार के बाद उसकी मांसपेशियों में सुधार हुआ और वह आत्मनिर्भर होकर चलने लगा। इसी प्रकार मात्र डेढ़ माह के नवजात मनीष को जन्म के समय से ही गंभीर कुपोषण का सामना करना पड़ रहा था। अत्यधिक निर्जलीकरण और वसा-मांसपेशियों के क्षरण के चलते नवजात के शरीर की हड्डियां स्पष्ट दिखाई देने लगी थीं।

परिग्रह की प्रवृत्ति

इच्छा पर अंकुश तो सब धनवान है । चाहत में सन्तोष मान ही मान हैं । अंतर सम बाहर नम दिलो पर राज स्वयं पर काबु तो मित्र होंगे हज़ार । धन नही सुख का कारण ।धन नही दुःख का कारण । विवेक का होता जब नाश ।कषायों का होता संचार। मन का जब हो जाता गुलाम तब प्राणी को दुःख होते अपार । पुण्य योग से हमें धन मिला हैं । करो ना अभिमान क्योंकि छोड़ के जाना ही होगा । छूट जाए उससे पहले करलो अपना सही से इंतज़ाम । घटने ना दो पुण्य को कमा लो अगले जन्म में फिर धनवान । खाली हाथ आना खाली हाथ जाना। पुण्य साथ तो वहां भी सुखों की बरसात हैं ।मिलता नही कर्ज करलो परोपकार ।सदुपयोग धन का fund मिलेगा कल विसर्जन का मन मांगने की नही नोबत । आसक्ति हटी- गति अच्छी पक्की ममत्व घटा- सुख का पथ मिला ।परिग्रह छुटा- समझो नरक टूटा ।आत्मा जगी-मंजिल मिली ।बहती नादिया रहती निर्मल ! ठहरा पानी न रहता विमल दूषित हो जाता ? पनपते हैं उसमें किटाणु ।सागर में भी उठती लहरें ।भरा रहता रत्नों से और देता आश्रय जीवों को रह गम्भीर व क्रियाशील -रत्नाकर। मानव रख सदैव गतिमान चरण क़षायों का करो हरण व सत कृति और सोच का हो नित आचरण ।स्वार्थ से परे परमार्थ का हो वरण ।हो अंत में बाल पंडित या पंडित मरण । त्याग आग्रह और परिग्रह का दामन । रहे विवेक ,रहो अटल जहाँ सत्य का बरसे सावन । अकेले नहीं लो साथ सबको करने विकास में प्रस्थान । सामुदायिक चेतना के साथ व निज में हो एकांतवास भी । दुनियादारी में न हो कभी घानघलीबाजी ।सत्य अन्वेषण और सदराह में लगा देना जीवन की बाज़ी । तुम ही हो अपने जीवन नैया के माँझी ।जियो बनके गुलाब ,महके जैसे ।मुरझाए तब भी आए काम ,गुलाब जल या इत्र बनके । ख़ुद सुशोभित हों या चढ़े सत्य के चरणों में या बने प्रतीक मैत्री और प्रेम का इस दुर्लभ जीवन में ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

प्रदेश सरकार द्वारा...

शिखा अवस्थी

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, संकट की घड़ी में किसानों और उनके परिवारों का बना मजबूत सहारा

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश के लाखों परिवार प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर हैं। किसान अपने खेतों में दिन-रात मेहनत कर न केवल अपने परिवार की आजीविका सुनिश्चित करता है, बल्कि प्रदेश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करता है। ऐसे में किसी किसान या कृषि पर आश्रित परिवार के कमाऊ सदस्य की दुर्घटना में मृत्यु अथवा दिव्यांगता हो जाती है तो पूरे परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। परिवार की आय का प्रमुख स्रोत अचानक समाप्त होने से बच्चों की शिक्षा, परिवार के भरण-पोषण और अन्य आवश्यकताओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इसी संवेदनशील परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किसानों और उनके आश्रित परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से ''मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना'' संचालित की है। योजना का उद्देश्य दुर्घटना के कारण परिवार पर आने वाले आकस्मिक आर्थिक संकट को कम करना और प्रभावित परिवार को तत्काल आर्थिक संबल उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितम्बर, 2019 से प्रदेश में लागू है। योजना का संचालन जिलाधिकारियों के माध्यम से किया जाता है। इसके अंतर्गत दुर्घटनावश मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में पात्र कृषक/परिवार को अधिकतम 5.00 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने का प्राविधान है। यह योजना केवल खतौनी में दर्ज खातेदार तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि पर वास्तविक रूप से निर्भर परिवारों और कृषि कार्य से अपनी आजीविका चलाने वाले पात्र भूमि-विहीन कृषकों बटाईदारों को भी इसके दायरे में शामिल किया गया है। इस प्रकार योजना का स्वरूप व्यापक रखते हुए उन परिवारों को भी सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया गया है, जिनकी आजीविका का आधार कृषि है। इस योजना के अंतर्गत कृषक की परिभाषा में खतौनी में दर्ज खातेदार एवं सहखातेदार को शामिल किया गया है। इसके साथ ही खातेदार अथवा सहखातेदार के परिवार के ऐसे कमाऊ सदस्यों को भी योजना के अंतर्गत पात्र माना गया है, जिनकी आजीविका का मुख्य स्रोत खातेदार अथवा सहखातेदार के नाम दर्ज भूमि से होने वाली कृषि आय है। इसके अतिरिक्त ऐसे भूमिहीन व्यक्ति, जो पट्टे से प्राप्त भूमि अथवा बटाई पर ली गई भूमि पर कृषि कार्य करते हैं और जिनकी आजीविका का मुख्य साधन उस पट्टे अथवा बटाई पर ली गई भूमि पर किया जाने वाला कृषि कार्य है, उन्हें भी योजना के दायरे में शामिल किया गया है। इस व्यापक पात्रता का उद्देश्य यही है कि कृषि कार्य को अपनी आजीविका का मुख्य आधार बनाने वाले परिवारों को दुर्घटना की विपरीत परिस्थिति में आर्थिक संरक्षण उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना ऐसे ही कठिन समय में प्रभावित परिवार को आर्थिक सहारा उपलब्ध कराती है। अधिकतम 5 लाख रुपये तक की सहायता राशि परिवार को तत्काल आर्थिक आवश्यकताओं से निपटने में मददगार बन सकती है। इससे परिवार को अचानक उत्पन्न आर्थिक दबाव को कम करने और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए स्वयं को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। योजना की यह व्यवस्था सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें कृषि क्षेत्र से जुड़े परिवारों को केवल उत्पादन और आय के स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के स्तर पर भी सहयोग प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा योजना को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लिए कुल 1050.00 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। जनपदों की मांग के अनुसार वित्तीय वर्ष के दौरान प्रावधानित सम्पूर्ण 1050 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई, धनराशि से लगभग 28,243 लाभार्थी लाभान्वित हुए। दुर्घटना से प्रभावित कृषक परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बजट प्रावधान के साथ-साथ उसके प्रभावी आवंटन पर भी ध्यान दिया जाता है।

इस योजना की निरंतरता और व्यापक आवश्यकता को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1150.00 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है। इसके सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में 25 प्रतिशत अर्थात 287.50 करोड़ रुपये तथा द्वितीय किस्त के रूप में 50 प्रतिशत अर्थात 575.00 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई। जनपदों की मांग के अनुसार अब तक 814.57 करोड़ रुपये की धनराशि का आवंटन किया जा चुका है। इससे लगभग 17,168 आश्रित परिवार लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश सरकार कृषक परिवारों को दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का महत्व केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है। यह योजना ग्रामीण परिवारों में सामाजिक सुरक्षा की भावना को मजबूत करने वाली व्यवस्था के रूप में भी महत्वपूर्ण है। कृषि कार्य स्वभावतः श्रमसाध्य है और किसान विभिन्न परिस्थितियों में खेतों में कार्य करता है। ऐसी स्थिति में दुर्घटना की आशंका को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है, लेकिन दुर्घटना के बाद परिवार को आर्थिक संकट से उबारने के लिए प्रभावी सहायता व्यवस्था विकसित की जा सकती है। इस योजना के माध्यम से सरकार ने इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित की है, जिसमें पात्र कृषक और कृषि पर निर्भर परिवार दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकें। विशेष रूप से भूमिहीन पट्टेदार और बटाईदार कृषकों को पात्रता के दायरे में शामिल किए जाने से योजना का सामाजिक आधार और व्यापक हो जाता है।

मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की लगातार समीक्षा, निगरानी और प्रभावी पैरवी से मामले में आया बड़ा मोड़

वादी ने न्यायालय में आगे पैरवी न करने का दिया शपथ-पत्र

समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील प्रशासनिक सोच और शासकीय भूमि के संरक्षण को लेकर स्पष्ट नीति का असर अब पुराने लंबित मामलों में भी दिखाई दे रहा है। देवीपाटन मंडल में करीब 30 वर्ष से लंबित नजूल भूमि का एक प्रकरण प्रशासन की सक्रियता और प्रभावी निगरानी से नए मोड़ पर पहुंचा है। मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की लगातार समीक्षा, निगरानी और प्रभावी पैरवी के बीच मामले के वादी ने न्यायालय में शपथ-पत्र देकर आगे पैरवी न करने और कार्यवाही समाप्त किए जाने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही संबंधित पक्ष ने सरकारी भूमि से अपना करीब 30 वर्ष पुराना कब्जा भी स्वयं हटा लिया है। यह मामला गोंडा में मंडलायुक्त कार्यालय एवं भवन के लिए आरक्षित नजूल भूखंड संख्या 514, 515, 524 और 525 से जुड़ा है। प्रकरण वर्ष 1997 से न्यायालय में लंबित था। वर्ष 2008 में स्थगन आदेश पारित होने के बाद भी मामले में विधिक पैरवी जारी रही। सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने के अभियान के दौरान यह पुराना प्रकरण प्रशासन के संज्ञान में आया, जिसके बाद देवीपाटन मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने दोबारा समीक्षा शुरू की। वर्ष 1997 में शुरू हुए विवाद को न्यायिक प्रक्रिया में करीब तीन दशक हो चुके थे। वर्ष 2008 के स्थगन आदेश के बाद भी मामला लंबित रहा। अब वर्ष 2026 में वादी के शपथ-पत्र और मौके से कब्जा हटने के बाद प्रशासन के सामने इन भूखंडों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है।



आयुक्त कार्यालय एवं भवन के लिए आरक्षित चार नजूल भूखंड अब सुरक्षित रखने की दिशा में कार्रवाई तेज

> मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शासकीय भूमि का संरक्षण और जनहित में उसका उपयोग सर्वोच्च प्राथमिकता है। करीब 30 वर्षों से लंबित इस प्रकरण में संबंधित पक्ष ने न्यायालय में आगे पैरवी न करने का अनुरोध किया है और मौके से भी कब्जा हटा लिया है। अब भूमि को सुरक्षित रखते हुए निर्धारित शासकीय प्रयोजन में उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।
>
> **-दुर्गा शक्ति नागपाल, मंडलायुक्त, देवीपाटन**

अवैध संचालित विद्यालय में नहीं मिला कोई विद्यार्थी और शिक्षक

पुराने नजूल भूमि प्रकरण की जानकारी सामने आने के बाद मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने मामले की लगातार समीक्षा की। अभिलेखों और न्यायालयीन स्थिति की पड़ताल कराई गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को सरकारी पक्ष मजबूती से रखने और शासकीय हितों की रक्षा के लिए प्रभावी विधिक पैरवी के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान भूमि पर अवैध विद्यालय संचालित होने की बात भी सामने आई। प्रशासन ने मौके की स्थिति की पड़ताल कराई तो वहां वर्तमान में कोई विद्यार्थी या शिक्षक नहीं मिला। इसके बाद जमीन की वास्तविक स्थिति की निगरानी भी की गई।

वादी/अतिक्रमणकारी कोर्ट में पीछे हटे, मौके से भी कब्जा हटाया

प्रकरण में वादी/अतिक्रमणकारी दयानन्द मिश्र की ओर से न्यायालय में शपथ-पत्र प्रस्तुत किया गया। इसमें उन्होंने वाद में आगे पैरवी न करने और कार्यवाही समाप्त किए जाने का अनुरोध किया है। मामले की अहम बात यह है कि संबंधित पक्ष ने न्यायालय में कानूनी पैरवी से पीछे हटने के साथ ही मौके से अपना कब्जा भी हटा लिया। इस तरह करीब तीन दशक से लंबित विवाद में एक ओर न्यायिक प्रक्रिया के स्तर पर बदलाव आया, वहीं दूसरी ओर जमीन की भौतिक स्थिति भी बदल गई।

'जिस पैर से चलती थीं, उसी का बदल दिया घुटना'

बेटा बोला- फॉर्मेलिटी के नाम पर प्लेन पेपर पर कराए साइन

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । मेरी मां को कई दिनों से बाएं पैर के घुटने में परेशानी थी। रोजमर्रा के काम भी वह किसी तरह दाहिने पैर के सहारे करती थीं। डॉक्टर को दिखाने पर घुटने की सर्जरी कराने की सलाह दी गई। 8 सितंबर को उन्हें निजी डॉक्टर के नर्सिंग होम में भर्ती कराया। इसके बाद डॉक्टर ने आयुष्मान योजना का कवर मिलने की बात कहकर अगले दिन हेल्थ सिटी हॉस्पिटल (रेमेडी मेडिसिटी) में शिफ्ट करा दिया।

यहां इम्प्लांट के नाम पर 65 हजार रुपए अलग से लिए गए। इसके बाद ऑपरेशन किया गया। लेकिन सर्जरी बाएं पैर की जगह दाहिने पैर की कर दी गई। ऑपरेशन के अगले दिन जब मैं मां से मिलने ICU पहुंचा तो उन्होंने बताया कि जिस पैर में परेशानी थी, उसकी जगह दूसरे पैर का ऑपरेशन कर दिया गया। ये कहना है मनोज कुमार का। राजाजीपुरम निवासी मनोज की बुजुर्ग मां राजेश्वरी के जिस पैर की सर्जरी होनी थी, डॉक्टर ने उसकी जगह दूसरे पैर की सर्जरी कर दी। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद जब परिजनों ने डॉक्टर से इस बारे में बात करने की कोशिश की तो उन्हें धमकाया भी गया। मनोज कहते हैं कि सर्जरी से पहले कुछ प्लेन पेपर और फॉर्म पर उनके भांजे से कागजी फॉर्मेलिटी के नाम पर साइन कराए गए थे। अब अस्पताल की ओर से कहा जा रहा है कि पहले ही बता दिया गया था कि इसी पैर की सर्जरी की जाएगी।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में महिला वकील से छेड़छाड़

लखनऊ । लखनऊ के गाजीपुर थानाक्षेत्र में महिला वकील का एक व्यक्ति ने पुलिस लिखी सफेद कार से पीछा किया। आरोपी ने कई बार कार रोककर महिला से साथ चलने को कहा। विरोध करने और नजर-अंदाज करने के बावजूद वह 1 किलोमीटर तक पीछा करता रहा। इससे परेशान महिला ने 1090 पर सूचना दी। इंदिरानगर निवासी पीड़िता पेशे से वकील हैं। उन्होंने पुलिस से शिकायत में बताया कि 26 सितंबर की रात करीब सात बजे वह पॉलीटेक्निक से कमता की ओर पैदल जा रही थीं।

ठाकुरगंज में युवक पर फायरिंग करने वाले 2 गिरफ्तार

लखनऊ । लखनऊ के ठाकुरगंज में रविवार दोपहर पुराने विवाद को लेकर युवक पर जानलेवा हमला किया गया। गौशाला रोड स्थित बगिया मंदिर के पास कार में बैठे सूरज चौरसिया पर दो युवकों ने दो राउंड फायरिंग की। इसके बाद उसे कार से बाहर निकालकर लाठी-डंडों से पीटा। हमले में सूरज बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। मामले में पुलिस ने सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मिश्रीबाग निवासी शिवम चौरसिया ने ठाकुरगंज थाने में तहरीर दी थी।

300 पूर्व सैनिकों ने पुलिस भर्ती बोर्ड घेरा

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को करीब 300 पूर्व सैनिकों ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड का घेराव कर दिया। अचानक बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों के पहुंचने से भर्ती बोर्ड परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे यूपी पुलिस 2025 आरक्षी भर्ती के अभ्यर्थी हैं। उनका आरोप है कि लिखित परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद उन्हें फिजिकल टेस्ट से पहले ही भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जा रहा है।

सपा कार्यकर्ताओं ने सीईसी के पुतले को चप्पलों से पीटा

बोले- 35 करोड़ वोट चोरी करके बनाई गई भाजपा की सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

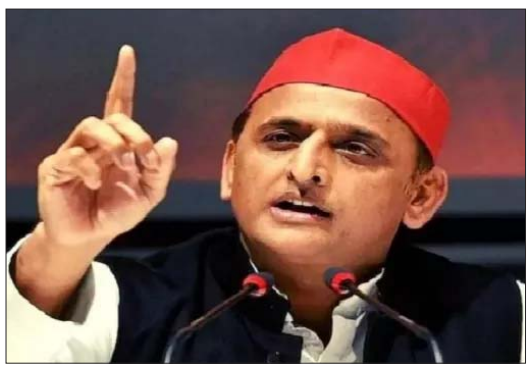


लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले पर कालिख पोती और उसे चप्पलों से पीटा। पुतला जलाने से पहले ही पुलिस ने उसे छीन लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 35 करोड़ से ज्यादा वोटों की चोरी कर अलग-अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद की गई। उनका दावा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रहेगा। कार्यकर्ताओं के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार के पुतले पर कालिख पोतकर उन्होंने अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में शामिल जीतू कश्यप ने कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। हमने कई बार वोट चोरी के साक्ष्य भी दिए, फिर भी चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया। अब जिस तरह से एक अंग्रेजी अखबार ने चुनाव आयोग के पूरे चेहरे को बेनकाब किया है, इससे बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग की मिलीभगत से ही भाजपा सरकार में आ रही है।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा पर भूमाफिया को संरक्षण देने, बेरोजगारी, साइबर फ्रॉड और जलभराव समेत कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा

जमीन अधिग्रहण में किसानों के साथ हो रहा अन्याय : अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता



अखिलेश यादव ने कहा कि किसान विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि उसकी जमीन का उचित और बाजार दर के अनुरूप मुआवजा मिले और विकास का लाभ उसे भी मिले।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। सपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने जमीन अधिग्रहण, किसानों को मुआवजा, रोजगार, कानून व्यवस्था, साइबर फ्रॉड, जलभराव और अयोध्या से जुड़े मामलों को लेकर सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अलीगढ़-मुरादाबाद नियंत्रित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन अधिग्रहण में किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। किसानों को बाजार मूल्य के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल में नौजवानों को रोजगार नहीं मिला और आरक्षण छीना गया। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि नौकरी और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा न हो।

उन्होंने मुख्यमंत्री के छह महीने में एक लाख नौकरियां देने के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन महीने बीत गए, लेकिन किसी को नौकरी नहीं मिली। उन्होंने शिक्षकों, वकीलों, नौजवानों और किसानों के साथ भी भेदभाव किए जाने का आरोप लगाया।

सपा अध्यक्ष ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश साइबर फ्रॉड के मामलों में नंबर एक पर पहुंच गया है। उन्होंने लखनऊ में पेशेवर इंजीनियरों से जुड़े एक मामले और बदायूं में करीब 600 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डॉक्टर, इंजीनियर और प्रोफेसर तक साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने सरकार पर साइबर अपराधों को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया।

जमीन अधिग्रहण में किसानों को बाजार भाव से मिले मुआवजा

अखिलेश यादव ने भाजपा को देश की सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी बताते हुए आरोप लगाया कि सरकारी जमीनों, तालाबों और गरीबों की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा अवैध बिल्डिंग भाजपा से जुड़े लोगों की हैं।

उन्होंने कहा कि अलीगढ़-मुरादाबाद एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन अधिग्रहण में किसानों की मांग है कि उन्हें बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा दिया जाए। सरकार विकास कार्यों के लिए किसानों की जमीन ले रही है तो किसानों और उनके परिवारों का भविष्य भी विकास से जुड़ना चाहिए। इसके लिए सर्किल रेट बढ़ाकर बाजार भाव के हिसाब से मुआवजा दिया जाना चाहिए।

किसानों की जमीन क्यों ली जा रही है?

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार उद्योग लगाने की बात करती है, लेकिन यदि सरकार को उद्योग लगाने हैं तो जिन जमीनों को भूमाफियाओं से मुक्त कराने का दावा किया जा रहा है, वहां उद्योग लगाए जाएं। उन्होंने सवाल किया कि सरकार किसानों की जमीन क्यों छीन रही है।

ग्राम पंचायत अधिकारी पद के चयनित अभ्यर्थी बोले- चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष

मेहनत को मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

अभ्यर्थियों ने कहा- बिना सोर्स-सिफारिश और हेर-फेर के योग्यता व मेहनत के आधार पर मिली सरकारी नौकरी

आशुतोष त्रिपाठी बोले- निष्पक्षता और पारदर्शिता सिर्फ जुमला नहीं, भर्ती प्रक्रिया में दिखी इसकी बानगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से चयनित 1375 ग्राम पंचायत अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अभ्यर्थियों ने कहा कि बिना किसी सिफारिश और हेरफेर के, सिर्फ मेहनत के आधार पर उन्हें सरकारी सेवा में नियुक्ति का अवसर मिला है। एक भी चयन पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है।

ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर चयनित प्रतापगढ़ निवासी अमित कुमार सिंह को बरेली में तैनाती मिली है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रही है। कहीं भी सोर्स या सिफारिश नहीं चली है। जिसने मेहनत की, उसका चयन हुआ। अमित सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में बिहार में सरकारी नौकरी के साथ ही परीक्षा की भी तैयारी कर रहे थे। अब अपने ही प्रदेश में नौकरी मिलने से खुशी है।

ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर चयनित रूपाली गुप्ता को फतेहपुर में तैनाती मिली है। उन्होंने कहा कि पूरी नियुक्ति प्रक्रिया बेहद निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई है। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिलेगा, ऐसा कभी नहीं सोचा था। यह उनके और उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है। इसी पद पर चयनित नेहा देवी ने कहा कि इस नियुक्ति के लिए उन्हें केवल फॉर्म भरने का खर्च आया और योग्यता व मेहनत के आधार पर नौकरी मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके हाथों नियुक्ति पत्र मिलना बेहद खुशी का क्षण है। ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर चयनित ओम बघेल ने प्रदेश में दूसरी रैंक हासिल की है। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में किसी ने उनसे एक रुपया भी नहीं मांगा और नियुक्ति पूरी तरह निष्पक्ष रही।

योगी जी की ईमानदारी पर सवाल उठाना सूरज को दीया दिखाने जैसा

प्रयागराज निवासी आशुतोष त्रिपाठी का चयन ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर हुआ है। उन्होंने बताया कि भर्ती परीक्षा 2025 में हुई थी और साल के भीतर परिणाम आ गया है। प्रदेश में उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है और मुख्यमंत्री योगी के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। आशुतोष ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता केवल जुमला नहीं है। बिना किसी हेरफेर के नियुक्ति मिली है। योगी जी की ईमानदारी पर सवाल उठाना सूरज को दीया दिखाने जैसा है। हमारा नेतृत्व ईमानदार है और इसकी बानगी भर्ती प्रक्रिया में भी देखने को मिली है।

राजधानी में 68,500 शिक्षक अभ्यर्थियों ने राजभर का आवास घेरा

बोले- राजभर चाचा न्याय करो, पुलिस से धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। वे उनके दरवाजे पर बैठ गए और 'राजभर चाचा न्याय करो' के नारे लगाए। नियुक्ति की मांग को लेकर करीब आधे घंटे तक नारेबाजी की गई। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें जबरन वहां से हटाकर ईको गार्डन भेज दिया। उन्होंने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और बदसलूकी करने का भी आरोप लगाया। प्रदर्शन के कारण सीएम आवास से लालबत्ती चौराहे की ओर जाने वाली सड़क पर भीषण जाम लग गया। पुलिस प्रदर्शनकारियों को टांगकर वहां से ले गई।

प्रदर्शन में शामिल नवीन ने कहा कि 10 सितंबर को अभ्यर्थियों की बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से मुलाकात हुई थी। बैठक में दोनों विभागों के कई अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में मंत्रियों और अधिकारियों ने भी माना कि भर्ती में घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग भी इस मामले को मान चुके हैं।

घटना : लोग बोले- लगा भूकंप आ गया, एलडीए के पास जवाब नहीं, डीएम ने कहा- रैन बसेरे में व्यवस्था

16 साल पुराने अपार्टमेंट का पिलर टूटा

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ के वजीरगंज में 16 साल पहले बने एसए अपार्टमेंट का एक पिलर अचानक टूट गया। दीवारों में दरार आ गई। बिल्डिंग नहीं गिरी, लेकिन इसमें रह रहे 25 परिवारों को लगा कि भूकंप आ गया है। जब उन्हें इस बात का पता चला कि अपार्टमेंट का पिलर डैमेज होने से भूकंप जैसा महसूस हुआ है, तो सबकी सांसें अटक गईं।

सूचना पर पुलिस के साथ SDRF और NDRF भी पहुंची। अपार्टमेंट को तुरंत खाली कराया गया। सभी परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने अपार्टमेंट के बाहर बैरिकेडिंग कर आवाजाही रोक दी। LDA के अपर सचिव भी मौके पर पहुंचे। वह इस घटना पर एक शब्द भी नहीं बोल पाए। DM भी पहुंचे, उन्होंने कहा कि सभी परिवारों के ठहरने के लिए रैन बसेरे में व्यवस्था है। अपार्टमेंट निवासी मोहम्मद इस्माइल ने बताया कि जब अपार्टमेंट का पिलर टूटा तो उनकी पत्नी बालकनी में खड़ी थीं। वह थोड़ा ही बचीं, नहीं तो नीचे गिर जातीं। उस समय भूकंप आने जैसा लगा। हम सभी लोग डर गए थे। बाद में पता चला कि यह भूकंप नहीं था, बिल्डिंग इसलिए हिली क्योंकि उसका पिलर टूट गया है। भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जर्जर भवनों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद नगर निगम की ओर से जर्जर भवनों को खाली कराने की कार्रवाई की जा रही है। जरूरत पड़ने पर ऐसे भवनों को गिराने और आसपास का रास्ता बंद करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अपार्टमेंट निवासी मोहम्मद इस्माइल ने बताया कि उन्होंने करीब 20 लाख रुपए में यह फ्लैट लिया था। पांच मंजिला अपार्टमेंट में करीब 25 फ्लैट हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 6-7 महीने से बिल्डिंग की स्थिति ठीक कराने के लिए मेंटेनेंस देखने वालों से कहा जा रहा था, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

डीएम बोले- बिल्डिंग की स्थिति पर लगातार नजर है

जिलाधिकारी विशाख जी ने बताया कि एक पिलर के बैठने की सूचना मिली थी। इसके बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए फिलहाल पूरे अपार्टमेंट को खाली करा लिया गया है।

उन्होंने बताया कि जिन परिवारों के पास रहने की व्यवस्था नहीं है, उनके लिए रैन बसेरे में रहने की व्यवस्था की जाएगी। प्रशासन की टीम लगातार बिल्डिंग की स्थिति पर नजर रख रही है।



वजीरगंज में लाल मस्जिद के पास स्थित एसए अपार्टमेंट का निर्माण वर्ष 2010 में हुआ था। बिल्डिंग के एक हिस्से में पिलर बैठने की सूचना के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लोगों को बाहर निकाल दिया।

केजीएमयू में नर्सिंग स्टूडेंट्स का एक हफ्ते बाद फिर से प्रदर्शन

प्रिंसिपल और डीन का इस्तीफा मांग रहे, बोले- प्रिंसिपल का रिजाइन झूठा था

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । KGMU में नर्सिंग स्टूडेंट्स ने सोमवार को एक हफ्ते बाद फिर से प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना है- कॉलेज की एक छात्रा को बीमार होने पर भी छुट्टी नहीं दी गई थी, जिसके चलते उसके इलाज में देरी हुई और वाराणसी में उसने दम तोड़ दिया। उस छात्रा के लिए हमने प्रदर्शन किया। हमें शांत कराने के लिए बताया गया कि प्रिंसिपल ने इस्तीफा दे दिया है।

आश्वासन के बाद हम लोगों ने प्रदर्शन करना बंद कर दिया। आज पता चला कि प्रिंसिपल ने इस्तीफा नहीं दिया है। वह बात झूठी थी। इसके अलावा डीन भी इस्तीफा नहीं देंगी। हम लोगों के साथ गलत करके हमसे झूठ बोला जा रहा है। बता दें कि KGMU कैंपस में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल सूचना राय भौमिक और डीन डॉ. अमिता पांडेय हैं। नर्सिंग कॉलेज की बीएससी नर्सिंग की छात्रा दिव्यांशी यादव की डेंगू के बाद मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने कॉलेज प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। छात्रों का आरोप था कि बीमार होने के बावजूद छुट्टी को लेकर उन्हें परेशानी हुई। इसके अलावा कॉलेज परिसर में जलभराव, गंदगी और मच्छरों के लार्वा मिलने की शिकायत भी की गई थी। छात्राओं का कहना है कि पिछले सप्ताह प्रदर्शन के दौरान कुलपति ने उनकी मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिया था। शनिवार (26 सितंबर) तक इस बारे में जानकारी देने की बात कही गई थी। लेकिन, तय समय बीतने के बाद भी मांगों पर कोई फैसला नहीं हुआ। छात्राओं का आरोप है कि उनकी दोबारा सुनवाई भी नहीं की गई। इससे नाराज होकर सोमवार को फिर धरना शुरू कर दिया।

प्रदर्शन कर रही एक छात्रा ने कहा- शनिवार को प्रशासन की ओर से बताया गया था कि प्रिंसिपल ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद छात्रों ने यह मानकर प्रदर्शन बंद कर दिया कि उनकी मांग पूरी हो गई है। बाद में बैठक के दौरान हमें पता चला कि प्रिंसिपल ने इस्तीफा नहीं दिया है।

कहा था- खूबसूरत हो, सीरत बहुत अच्छी

बैंककर्मी से 'आईएएस बनवाऊंगा' कहने वाला सपा नेता हुआ अरेस्ट

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में महिला बैंककर्मी से 'CM कोटे से IAS बनवाऊंगा' कहने वाला सपा नेता राजन अहमद रिजवी गिरफ्तार हो गया है। वह 12 दिनों से फरार था। अलीगढ़ में रिश्तेदार के घर छिपा था। मुखबिर की सूचना पर मथुरा पुलिस ने रविवार को छापा मारकर उसे पकड़ा। सपा नेता डॉ. राजन रिजवी (38) महिला बैंक कर्मी को लगातार परेशान कर रहा था। पीछा करता था। घर की रेकी कर रहा था। बैंककर्मी का प्राइवेट नंबर किसी तरह लेकर आपत्तिजनक मैसेज भेज



एएसपी आशना चौधरी ने बताया- रविवार को कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने अलीगढ़ के थाना क्वारसी के गांव धर्रामाफी में दबिश दी। वहां अहमद रिजवी छिपा मिला। वहां से उसे मथुरा लाया गया। यहां कोर्ट में पेश किया है। जहां से उसे जमानत मिल गई।

रहा था। परेशान होकर बैंककर्मी ने 16 सितंबर को मथुरा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद सपा ने आनन-फानन में डॉ. राजन रिजवी को अल्पसंख्यक सभा का प्रदेश महासचिव के पद से हटा दिया था। पीड़ित महिला मथुरा के एक सरकारी बैंक में कस्टमर सर्विस एसोसिएट है। पति मथुरा में ही वन विभाग में अफसर हैं। आरोपी सपा नेता डॉ. राजन रिजवी (45) का आवास वन विभाग ऑफिस के ठीक पास में है। वह पीएचडी डिग्री होल्डर है। फैज-ए-आम डिग्री कॉलेज में प्रोफेसर है। लंबे समय से सपा में सक्रिय है। पहले नगर अध्यक्ष भी रह चुका है। पत्नी और एक बेटी है। महिला ने बताया- मॉर्निंग वॉक के दौरान उनकी मुलाकात सपा नेता से हुई थी। इसके बाद वह आए दिन बैंक आकर घूरने लगा था। उसने प्राइवेट मोबाइल नंबर भी हासिल कर लिया। बार-बार उसमें आपत्तिजनक मैसेज भेजने लगा। परेशान होकर मना किया तो वह IAS बनवाने का ऑफर देने लगा। नंबर ब्लॉक किया तो मेरी और मेरे पति की निजी जानकारी हासिल करने लगा। बैंक कर्मी की शिकायत पर शहर कोतवाली में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत सपा नेता के खिलाफ FIR दर्ज की गई।

अलीगढ़ में रिश्तेदार के घर छिपा था



सपा नेता रिश्तेदार के घर पर छिपा था। छापा मारकर पुलिस ने उसे पकड़ा।

सपा नेता का वॉट्सऐप मैसेज पढ़िए जो उसने बैंककर्मी को भेजा था

मेरे शब्दों से आपका दिल हर्ट हुआ हो तो मैं माफी मांगता हूं। मैंने आपसे ऐसी कोई बात नहीं की, जो मर्यादा के खिलाफ हो। मैं आपकी बहुत इज्जत करता हूं। आप एक एक्सट्रा औरा वाली महिला हैं। खूबसूरत होने के साथ आपकी सीरत बहुत अच्छी है। यानी आप कंप्लीट वुमन हैं। मुझे आपकी पर्सनैलिटी पर आपकी यह जॉब अच्छी नहीं लगती। सपा की सरकार बनती है तो में आपको चीफ मिनिस्टर कोटे से डेपुटेशन के आधार पर IAS बनवाने की कोशिश करूंगा।

अनियंत्रित कार खेत में 3 बार पलटी, युवती की मौत

आगरा में फ्रेंड्स के साथ रात 2 बजे घूमने निकली थी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के खंदौली में रविवार की रात करीब 2 बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खेत में जा गिरी। कार की स्पीड इतनी ज्यादा थी कि खेत में गिरने के बाद 3 बार पलटी। उसके परखच्चे उड़ गए। कार सवार 20 वर्षीय युवती राधा की मौत हो गई।

युवती के साथ कार में मौजूद दो युवक विनायक और प्रखर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। युवती की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और हंगामा किया।

पुलिस के अनुसार हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। खंदौली क्षेत्र की रहने वाली राधा अपने दो दोस्तों विनायक और प्रखर के साथ कार में थी। तीनों दोस्त हैं और रात में घूमने के लिए निकले थे।

कार मई गांव के पास पहुंची थी। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा गिरी। हादसे में राधा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विनायक और प्रखर घायल हो गए।



हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। राधा की मौत की जानकारी मिलने पर उसके परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। यहां उन्होंने हंगामा किया। परिजन हादसे की परिस्थितियों की जांच की मांग कर रहे थे। पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया।

फास्ट न्यूज

एमसीए पास ने 30 किलो चांदी चुराई

कानपुर । कानपुर में सराफा कारोबारी के घर से 30 किलो चांदी चोरी के मामले में पुलिस ने MCA ग्रेजुएट सुधांशु अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पर जुए और सट्टे का 10 लाख रुपए कर्ज था। इसे चुकाने के लिए उसने चोरी की। आरोपी का घर कारोबारी के घर से महज 500 मीटर दूर है। DCP ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने बताया- आरोपी को रविवार दोपहर करीब 12 बजे फलमंडी से गिरफ्तार किया गया।

ताजमहल के फाउंटेन में युवक ने डुबकी लगाते बनाई रील

आगरा। ताजमहल परिसर में लगे फाउंटेन में एक युवक डुबकी लगा कर बारिश में नहा रहा है। इसके बाद फाउंटेन में ही डांस कर रहा है, पोज दे कर रील बनवा रहा है। वायरल रील में बैकग्राउंड में गाना चल रहा है रमेरे गुनाहों की मिल रही है कोई सज़ा, जन्नतें कहाँ, बिन हुए फ़ना। ताजमहल में रील का खुमार इस कदर चढ़ा है कि लोग नियमों को ताक पर रखकर वीडियो बना रहे हैं। रविवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद चर्चाओं में है। लोग सोशल मीडिया पर ताजमहल की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे है।

युवक का पेड़ से लटका मिला शव

सीतापुर। सीतापुर के मछरेहटा थाना क्षेत्र में चार दिन से लापता 19 वर्षीय युवक का शव सोमवार दोपहर गांव के बाहर जंगल में पेड़ से लटका मिला। शव मिलने की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के बाद पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने युवक की मौत को लेकर अनहोनी की आशंका जताई

क्रिकेटर दीपक चाहर के ग्राउंड से लाखों के बैट चोरी

बोले- बैट दे दो भाई, पुलिस से शिकायत करूं या योगी और मोदी से

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा। आगरा के शास्त्रीपुरम ग्राउंड से भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर के तीन बैट चोरी हो गए। बैट की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। दीपक चाहर ने इस घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड किया है।

जिसे अब तक करीब 7 मिलियन लोग देख चुके हैं। वीडियो में दीपक चोर से बैट वापस करने की अपील कर रहे हैं। कहा- भाई मैं पुलिस में शिकायत करूं, या योगी जी के पास जाऊं, या मोदी जी के पास जाऊं। या फिर सीधा भगवान से ही रिक्वेस्ट करूं कि भाई जो भी चुराके ले गया है, उसको बुद्धि दे और मेरा बैट दे जाए। 49 सेकंड के वीडियो में दीपक कह रहे हैं कि कल शाम को मेरे ऐसे तीन बैट, प्लेयर एडिशन के... यहां से चोरी हो गए। अब आपको क्या लगता है कि मुझे क्या करना चाहिए? बहुत अच्छे बैट थे। अभी जो चोरी करके ले गया है, उसको पता तो है नहीं कि कितने महंगे बैट थे। डेढ़ लाख रुपये के तीन बैट थे। अब वह जाके या तो बेच देगा उनको नॉर्मली, या फिर खेलेगा टेनिस बॉल से। भाई मुझसे ही ले लेता कुछ पैसे, मैं दे देता। या तो मेरे पास कई ऑप्शन हैं। इस टाइम पर या तो पुलिस में शिकायत करूं, या योगी जी के पास जाऊं, या मोदी जी के पास जाऊं। या फिर सीधा भगवान से ही रिक्वेस्ट करूं कि भाई जो भी चुराके ले गया है, उसको बुद्धि दे और मेरा बैट दे जाए। मैं पैसे दे दूंगा उसको।

उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं, बेटे ने पिता की हत्या कराकर फंसाया

कानपुर कारोबारी हत्याकांड में कोर्ट बोली- बहू को तुरंत रिहा करो

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड में जेल भेजी गई बहू शालू को कोर्ट ने तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि शालू का ससुर की हत्या में कोई हाथ नहीं था। कोर्ट ने 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर रिहाई का आदेश देते हुए कहा- अदालत या विवेचक के बुलाने पर शालू को हाजिर होना पड़ेगा।

कोर्ट के इस आदेश के बाद जरूरी प्रक्रिया पूरी होते ही शालू जेल से बाहर आ जाएगी। बहन की रिहाई को लेकर भाई धीरज अरोड़ा ने कहा- जिस पुलिस ने उसे जेल भेजा था, उसी ने विवेचना के बाद शालू



को ससुर की हत्या में निर्दोष माना। पुलिस ने शालू को लेकर कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट भी दाखिल की है।

धीरज ने बताया कि बहन शालू का बेटा श्रीजय फिलहाल लखनऊ में उनके पास रह रहा है। जेल से रिहा होने के बाद शालू ससुराल के रतन आर्बिट वाले फ्लैट पर न जाकर सीधे लखनऊ यानी मायके आएगी। DCP वेस्ट एसएम कासिम आबिदी कहते हैं- सुब्रत अपने पिता विनीत मिनोचा से नफरत तो लंबे समय से करता था। लेकिन, उन्हें मारने की प्लानिंग वो पिछले 1-2 महीने से करने लगा था। वो जानता था कि पापा को रास्ते से हटाने के बाद उनके भाई यानी कि सुब्रत के चाचा पुनीत उसके पीछे आएंगे। भाई की मौत की सच्चाई जानने की पूरी कोशिश करेंगे। हो सकता है, प्रॉपर्टी को लेकर भी झगड़ा पैदा हो जाए।

इसलिए वह चाहता था कि एक तीर से दो निशाने लगे। पापा की हत्या और चाचा को कातिल बना दिया जाए। उसने अपना यही प्लान विशाल से बताया। विशाल सुब्रत की दुकान में नौकरी करता था, जिसे 7 महीने पहले विनीत ने निकाल दिया था।



पुलिस कारोबारी के बेटे सुब्रत मिनोचा को पिता की हत्या कराने के आरोप में अरेस्ट कर चुकी है।

5 सितंबर को दवा कारोबारी की हत्या हुई थी

इंदिरा नगर में रतन ऑर्बिट के फ्लैट C-104 निवासी विनीत मिनोचा की 5 सितंबर को हत्या हुई थी। दवा कारोबारी को 17 चाकू मारे गए थे। 24 सितंबर को पुलिस ने बेटे सुब्रत को पिता की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सुब्रत ने मीडिया के सामने कहा था- पिता अय्याश किस्म के थे। उनके कई महिलाओं से संबंध थे, इसी वजह से मां पुनीता उनके साथ नहीं रहती थीं।

सुब्रत के मुताबिक, उसे डर था कि कोई महिला उसके घर आकर ये दावा न कर दे कि वह विनीत के बच्चे की मां बनने वाली है। इसलिए उसने खुद अपने पुराने नौकर विशाल गौतम और उसके साथी राजकिशोर के जरिए पिता विनीत मिनोचा की हत्या कराई थी।

'मिस प्रिटी इंडिया' फंदे पर लटकी मिली

फेसबुक पर 9 लाख फॉलोअर्स, बनारस की रहने वाली थीं, लिखा- खुद से प्यार करो

तमसा संकेत, एजेंसी

सोनभद्र। वाराणसी की रहने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निधि तिवारी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। 30 साल की निधि मध्यप्रदेश के सिंगरौली में 'मिस प्रिटी इंडिया' विनर रह चुकी हैं। रविवार सुबह सिंगरौली के भूसा मोड़ स्थित घर के कमरे में उनका शव मिला।

पुलिस के मुताबिक, निधि ने सुसाइड करने से पहले फेसबुक पर इमोशनल पोस्ट शेयर किया था। फेसबुक पर उनके 9 लाख 28 हजार और इंस्टाग्राम पर 7 लाख 12 हजार फॉलोअर्स हैं। वह गानों पर डांस रील्स बनाकर फेसबुक-इंस्टाग्राम पर शेयर करती थीं।

निधि तिवारी के पड़ोसी भूपेंद्र सिंह ने फोन पर बताया कि निधि भूसा मोड़ इलाके में अपनी मां और छोटी बहन के साथ रहती थीं। छोटी बहन



पढ़ाई करती है। निधि के पिता अशोक तिवारी करीब 15 साल से परिवार से अलग रह रहे हैं।

उन्होंने बताया- निधि 4 बहनों में से एक थीं। उनकी बड़ी बहन ने करीब 5 साल पहले कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। एक छोटी बहन की शादी बनारस में हुई है। निधि तिवारी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थीं। वह रील्स बनाकर पोस्ट करती थीं, जिन्हें लोग काफी पसंद करते थे। उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर लाखों फॉलोअर्स थे। वह स्थानीय कार्यक्रमों में भी शिरकत करती थीं। कई ब्यूटी कॉन्टेस्ट के खिताब जीत चुकी थीं। 2024 में निधि ने 'मिस प्रिटी इंडिया' का खिताब जीता था। उनका सपना फिल्मों में बतौर एक्टर काम करने का था।

रात 8 बजे दिल्ली में रहने वाले युवक से फोन पर हुई बहस

निधि की मां लता तिवारी ने बताया- शनिवार रात करीब 8 बजे निधि की दिल्ली में रहने वाले सोनू सिंह नाम के युवक से फोन पर बहस हुई थी। इसके बाद निधि ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर की। फिर खुद को कमरे में बंद कर लिया।

रात 9 से 10 बजे के बीच घरवालों ने कमरे का दरवाजा खटखटाया। निधि ने खाना खाने से इनकार कर दिया और उन्हें अकेला छोड़ने के लिए कहा। इसके बाद घरवाले भी सोने चले गए। घरवालों ने बताया- रविवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला। इस पर अनहोनी की आशंका हुई और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने खिड़की से अंदर देखा, तो निधि का शव फंदे पर लटका था।



आखिरी पोस्ट में लिखा- खुद से प्यार करो

सुसाइड से पहले निधि ने फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट शेयर की थी। इसमें लिखा- इस अधूरे से दिल को किसी ने पूरा नहीं किया, मैंने खुद से पूरा कर दिया। इसलिए कहा जाता है कि खुद से प्यार करो, किसी और से नहीं। खुद में खुद को तलाश करो। किसी और में आखिर कब तक तलाशोगे खुद को।

मंडलायुक्त-नगर आयुक्त आंखें बंदकर सो रहे: मेयर

जलभराव और गड्ढों पर केडीए पर भड़कीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में जलभराव और जर्जर सड़कों को लेकर महापौर प्रमिला पांडेय ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने पांडु नदी और मकड़ीखेड़ा क्षेत्र की जलभराव की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि लोग परेशान हैं और उनका सामान पानी में बह जाता है।

इसके बावजूद नगर आयुक्त, केडीए वीसी और मंडलायुक्त आंखें बंदकर सो रहे हैं। महापौर ने कहा कि अफसर से लेकर कर्मचारी तक इस समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। महापौर ने कहा कि सोमवार से शहर की क्षतिग्रस्त सड़कों पर जमा बजरी हटाने का अभियान शुरू होगा। इसके लिए सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। बारिश नहीं हुई तो पैचवर्क का काम भी तेजी से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण कई जगह कराया गया पैचवर्क



खराब हो गया है। महापौर ने कहा कि अब नगर निगम जिन सड़कों का निर्माण कराएगा, वहां नाली का निर्माण भी कराया जाएगा। इसके लिए नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। अन्य विभागों को भी अपनी सड़कों पर नाली निर्माण कराने के लिए पत्र भेजा जाएगा। जलभराव वाले क्षेत्रों में भी समस्या दूर करने के लिए काम कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम अपनी सड़कों पर बोर्ड लगाएगा। इन बोर्डों पर संबंधित अधिकारी का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज होगा, ताकि सड़क से जुड़ी समस्या होने पर लोग सीधे जिम्मेदार अधिकारी से संपर्क कर सकें।

पृष्ठ 01 का शेष...

नए स्लोगन के ...

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से फिर नियुक्ति पत्र वितरण होगा।

मुख्यमंत्री ने समयसीमा के अंदर निष्पक्ष व शुचितापूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र एक नौजवान प्राप्त कर रहा है, लेकिन खुशी पूरे परिवार व रिश्तेदारों में है। उनके लिए यही होली-दीवाली है। जो राज्य 10 साल पहले बीमारू था, उसे निष्पक्षता व ईमानदारी के साथ हमने सबसे समृद्ध राज्य के रूप में खड़ा किया है। युवाओं के सपनों को उड़ान और मंजिल प्राप्त करने के लिए प्लेटफॉर्म चाहिए। आपकी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि आपको यह वातावरण मिल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि लगभग 30 जनपदों में गंदगी के कारण मस्तिष्क ज्वर से दलित, पिछड़े व गरीब वर्ग के सैकड़ों बच्चों की मौत होती थी। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कड़क धूप में एक बेड पर चार-चार बच्चे भर्ती होते थे। सपा ने चार बार शासन किया, लेकिन तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल तक का दौरा नहीं किया। सपा के लिए विकास का मायने केवल सैफई था, बाकी गांवों, जनपदों से इन्हें कोई मतलब नहीं था। भारत सरकार 2017 के पहले भी पैसा देती थी, लेकिन लाभ सिर्फ सपा के लोगों को मिलता था। हम चुनाव जरूर पार्टी पर लड़ते हैं, लेकिन सत्ता में आते हैं तो बिना भेदभाव सबको योजनाओं का लाभ देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1996 में त्रिस्तरीय पंचायत की व्यवस्था लागू हुई। तब से ग्राम प्रधानों के पास कार्यालय नहीं था। उनके घर से व्यवस्था संचालित होती थी। विरोधी दल का व्यक्ति कैसे उनके घर जाता। लेकिन, जो काम इतने वर्षों में नहीं हुआ, वह अब हो गया है। अब ग्राम पंचायत का कार्यालय (ग्राम सचिवालय) भी है। चार से लेकर छह कमरे हैं। इसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल, बीसी सखी आदि बैठते हैं।

प्रशांत किशोर न...

बिहार की 8 एमएलसी सीटों पर चुनाव के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा। जन सुराज पार्टी सभी 8 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है।

जन सुराज पार्टी ने सोमवार को दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी बदलने की घोषणा की। पार्टी के अनुसार 49 वर्षीय मोहम्मद इम्तियाज नूरानी मधुबनी जिले के बिस्फी के रहने वाले हैं। वह पेशे से डॉक्टर और कारोबारी हैं। सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। नूरानी, दरभंगा स्नातक सीट से रवींद्र यादव की जगह जन सुराज के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर, प्रशांत किशोर ने रवींद्र का टिकट क्यों वापस लिया, इस बारे में जन सुराज पार्टी ने कोई आधिकारिक वजह फिलहाल नहीं बताई है। रवींद्र ने कुछ दिन पहले जन सुराज की सदस्यता ली थी। इससे पहले वह पूर्व सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में थे। जेडीयू में वह प्रदेश सचिव रहे थे। जन सुराज से टिकट मिलने के बाद सोशल मीडिया पर रवींद्र का नाम ठगी के एक पुराने मामले से नाम जोड़े जाने की चर्चा हो रही है। हालांकि, इसकी इस केस की पुष्टि नहीं हो सकी है।

एमएलसी चुनाव 2026 में यह दूसरा मौका है जब प्रशांत किशोर की पार्टी ने कैंडिडेट बदला है। बीते शनिवार को ही जन सुराज ने तिरहुत शिक्षक सीट पर प्रत्याशी बदला था। यहां से पार्टी ने पहले भूषण झा को उम्मीदवार बनाया था। उस दिन प्रशांत किशोर के साथ उनका कार्यक्रम हुआ। फिर उसमें अंदरुनी विवाद के बाद उन्होंने टिकट लौटा दिया था। भूषण झा ने आरोप लगाया कि जन सुराज कार्यकर्ताओं ने उन्हें पीके के कहे अनुसार ही भाषण देने का दबाव लगाया।

उज्जैन: शाही मस्जिद ...

रविवार रात जब भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी और पोकलैंड मशीनें मौके पर पहुंचीं, तो लोग सड़कों पर उतर आए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे.

लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सोमवार को भी इलाके में जमकर प्रदर्शन देखने को मिला. इस दौरान गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया जिसके जवाब में पुलिसकर्मियों ने भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे.

सिंहस्थ के मद्देनजर कंठाल चौराहे से लेकर गोपाल मंदिर तक की करीब 900 मीटर लंबी सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जाना है. इस दायरे में कुल 7 धार्मिक स्थल आ रहे थे, जिनमें से ज्यादातर को आपसी सहमति से हटाया जा चुका है.

फतेहपुर में गैस ...

उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। उसे बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

'पूरी बस्ती के वोटर ...

राहुल ने जब SDM को फोन किया तो अधिकारी कांग्रेस सांसद को जवाब नहीं दे पा रहे थे। इसी बीच राहुल ने कहा कि आप अपना नाम बताइए, मैं आपको दूसरे तरीके से देखूंगा।

दिल्ली चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि बूथ-लेवल ऑफिसर्स उन वोटर्स के घर जाकर डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करेंगे, जिन्हें वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के तहत की जा रही है।

चुनाव आयोग ने 25 सितंबर को दिल्ली में चल रहे SIR के तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा एक महीने बढ़ाकर 30 अक्टूबर कर दी थी, और अब फाइनल वोटर लिस्ट 4 दिसंबर को जारी की जाएगी।

चुनाव आयोग ने 26 सितंबर की मीटिंग के बाद कहा है कि SIR में जिन लोगों के नाम छूट गए हैं, वे लगातार वोटर लिस्ट अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत संबंधित ERO के पास नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इसमें युवा और पहली बार वोट देने वाले लोग भी शामिल हैं। आयोग ने CEO, DEO और ERO को ऐसे लोगों के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

SIR के दौरान अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक देश में कुल 96.88 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, यानी करीब 14.1% वोटर्स के नाम SIR में काटे गए।

उजड़े आशियाने ...

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पुलिस ने घटना के वीडियो, फोटो, प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सभी आरोपियों की पहचान की है या नहीं।

वहीं, बरियावन बाजार में मकान-दुकान ध्वस्तीकरण के मामले में गिरोह के दो सदस्यों के नेपाल भागकर छिपने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार सर्विलांस के जरिए पुलिस को जानकारी मिली है कि गिरोह के वांछित दो सदस्य नेपाल में शरण लिए हुए हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की एक टीम नेपाल के लिए रवाना हो गई है।

नेपाल में पहाड़ का ...

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (NDRRMA) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में नेपाल के अलग-अलग जिलों में बाढ़, भूस्खलन, भारी बारिश से जुड़ी घटनाओं समेत 272 हादसे हुए। इन घटनाओं में 21 लोगों की मौत हुई है, 4 लोग लापता हैं और 26 लोग घायल हुए हैं। इसमें सबसे ज्यादा भूस्खलन की 97 घटनाएं हुई हैं। इनमें 19 लोगों की मौत हुई, 4 लोग लापता हैं और 4 घायल हुए हैं। चितवन जिले में रविवार सुबह नारायणी नदी और रिउ नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगीं। देवघाट में नारायणी नदी का जलस्तर 9.23 मीटर पहुंच गया, जबकि खतरे का निशान 9 मीटर है। रिउ नदी का जलस्तर भी 3.92 मीटर तक पहुंच गया। यहां खतरे का निशान 3.8 मीटर है। भारी बारिश के कारण चितवन में कई जगह भूस्खलन और मिट्टी धंसने की घटनाएं हुईं। इससे सड़कें बंद हो गईं। कर्णाली प्रांत में भी भूस्खलन के कारण हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ है।

दोनों टीमें मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंची, बारिश के कारण दोनों के मैच रद्द

भारत-पाकिस्तान में एशियन गेम्स का फाइनल संभव

मुकाबला

निशिन, एजेंसी

एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हो सकता है। दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। हालांकि, सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे।

सोमवार को भारत-अफगानिस्तान और पाकिस्तान-हॉन्ग कॉन्ग के बीच क्वार्टर फाइनल खेले जाने थे। लेकिन, बारिश के कारण दोनों मैच रद्द हो गए। इसके बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत और पाकिस्तान को सेमीफाइनल में जगह मिली।



मैच रद्द होने के बाद आपस में हाथ मिलाते भारत और अफगानिस्तान के खिलाड़ी। (फोटो ACB)

26 नवंबर 2008 को 10 आतंकवादियों ने मुंबई के ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट और नरीमन पॉइंट जैसे कई इलाकों में फायरिंग की थी। इससे 166 लोग मारे गए थे। इस घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंध खत्म कर दिए।

दोनों देशों ने बाइलेटरल क्रिकेट सीरीज खेलना बंद कर दिया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान की टीमें ICC और ACC के टूर्नामेंट्स में ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं।

2008 : आखिरी बार पाकिस्तान दौरे पर गई थी टीम इंडिया। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे।

2013 : पाकिस्तान बाइलैटरल सीरीज खेलने के लिए भारत आया था। तब 3 वनडे और 2 टी-20 मैच की सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज ड्रॉ रही।

2023 : पाकिस्तान की टीम आखिरी बार भारत आई थी। टीम ने बाबर आजम की कप्तानी में 2023 वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। टीम 9 में से 4 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के 5वें स्थान पर रही थी।

फाइनल के लिए दोनों का जीतना जरूरी

भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल तभी होगा, जब दोनों टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतेंगी। सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

वहीं, पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। यानी फाइनल में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला देखने के लिए दोनों टीमों को सेमीफाइनल जीतना होगा।

> एशियन गेम्स में भारत और पाकिस्तान की मेंस क्रिकेट टीमों में अब तक कोई मैच नहीं हुआ है। भारत 2022 से और पाकिस्तान 2010 से इस टूर्नामेंट में हिस्सा रहे रहा है।
>
> भारतीय टीम ने 2022 के एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। तब अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच रद्द हुआ था और भारत चैंपियन बना था।

भारत और पाकिस्तान की टीमें आखिरी बार टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में आसने-सामने थी। उस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराया। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई।

चेस ओलिंपियाड में भारत को डबल मेडल

ओपन कैटेगरी में सिल्वर, महिला टीम ने ब्रॉन्ज जीता

समरकंद, एजेंसी



भारत ने समरकंद में हुए 46वें चेस ओलिंपियाड में रविवार को 2 मेडल अपने नाम किए। टीम ने ओपन में सिल्वर मेडल जीता। वहीं महिला टीम ब्रॉन्ज जीतने में सफल रही। ओपन में वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश को हंगरी के ग्लेब डुडिन के खिलाफ हार मिली। वहीं टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे उज्बेकिस्तान को ओपन में गोल्ड जीता। चीन ने महिला वर्ग में गोल्ड हासिल किया।

ओपन कैटेगरी के आखिरी राउंड में भारत और हंगरी का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। गुकेश के हार के बाद GM अर्जुन एरिगैसी ने GM पीटर लेको को हराकर भारत को मुकाबला ड्रॉ कराने में मदद की।

मेजबान उजबेकिस्तान ने यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड जीता। निर्णायक गेम में GM मुखिद्दीन मादामिनोव ने GM रोमन देहतियारोव को हराया।

जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत और जर्मनी के अंक बराबर रहे, लेकिन टाईब्रेक के आधार पर भारत को सिल्वर मेडल मिला।

महिला वर्ग में भारत का आखिरी राउंड जॉर्जिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहा। IM सविता श्री ने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए जॉर्जिया की IM मेरी अरबिड्जे के खिलाफ ड्रॉ हासिल किया। इससे भारत पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहा। चीन ने वियतनाम को 3-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

खेल : ऑस्ट्रेलिया को साउथ अफ्रीका ने 32 रन से हराया

दूसरे वनडे में मिलर ने 142 रन की पारी खेली, कप्तान बावुमा ने 103 रन बनाए

जोहान्सबर्ग, एजेंसी



साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे वनडे में 32 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने 3 मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। तीसरा वनडे 30 सितंबर को सेनवेस पार्क में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 365/9 का स्कोर बनाया। डेविड मिलर ने 142 और कप्तान टेम्बा बावुमा ने 103 रन की पारी खेली। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 156 रन की साझेदारी हुई।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया 49.4 ओवर में 333 रन पर ऑलआउट हो गया। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने 84-84 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। ऐडन मार्कर्म पहली ही गेंद पर आउट हो गए। क्विंटन डी कॉक भी 36 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद बावुमा और मैथ्यू ब्रीट्जके ने पारी को संभाला, लेकिन ब्रीट्जके 30 रन बनाकर आउट हो गए।

इसके बाद मिलर क्रीज पर आए और बावुमा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 156 रन जोड़े। बावुमा ने 112 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके घरेलू मैदान पर पहला वनडे शतक था।

मिलर ने सिर्फ 73 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। इसके बाद उन्होंने अगले 20 गेंदों में 39 रन जोड़कर स्कोर को 300 के पार पहुंचाया। उनकी 142 रन की पारी वनडे करियर की सबसे बड़ी पारी रही।

366 रन का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने पहले विकेट के लिए 130 रन जोड़े। दोनों ने पावरप्ले में ही 77 रन बना दिए थे। मार्श ने 32 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 84 रन बनाए। हेड ने 55 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 84 रन की पारी खेली। इसके बाद फोर्टुइन ने मार्श को बोल्ड किया, जबकि ऐडन मार्कर्म ने हेड को LBW आउट किया।

लिखा- मौका गंवाना दुख देता है, एक नतीजा पूरे सफर को बयां नहीं कर सकता

एशियाड क्वार्टरफाइनल हार के बाद सिंधु की इमोशनल पोस्ट

नई दिल्ली। एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि वह हार से दुखी हैं, लेकिन एक दर्दनाक नतीजा उनके 12 साल के एशियन गेम्स सफर को तय नहीं कर सकता।

दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट 27 सितंबर को विमेंस सिंगल्स के क्वार्टरफाइनल में चीन की चेन यूफेई से 21-11, 18-21, 10-21 से हार गई थीं।

सिंधु ने अपने 12 साल के एशियन गेम्स सफर को भी याद किया। उन्होंने लिखा, 'गर्व करने की भी वजह है। 2014 में अपने पहले एशियन गेम्स से लेकर अब चौथे गेम्स तक, 12 साल भारत के लिए अपना सब कुछ दिया है। एक दर्दनाक नतीजा उस सफर को तय नहीं कर सकता, जो मेरे लिए इतना मायने रखता है।'सिंधु ने देर रात तक जागकर उनका मैच देखने और समर्थन करने वाले फैन्स का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'उन सभी लोगों का धन्यवाद, जो देर रात तक जागे, चीयर किया और मुझ पर विश्वास रखा। मैं भी उन आखिरी तीन अंकों को हमारे लिए जीतना चाहती थी। मेरे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। मैं फिर कोशिश करूंगी।'



क्वार्टरफाइनल में जीत से तीन अंक दूर थी

सिंधु ने लिखा, 'मुझे इसे शब्दों में कहने के लिए थोड़ा समय चाहिए था। मेरा एशियन गेम्स अभियान खत्म हो गया है और मैं दुखी हूं। क्वार्टरफाइनल में जीत से सिर्फ तीन अंक दूर थी। मैं बार-बार उन्हीं तीन अंकों के बारे में सोच रही हूं।'

सिंधु ने कहा कि चीन में खेले हालिया मुकाबले की तरह इस मैच में भी अहम मौकों पर लंबी और कड़ी रैलियां निर्णायक साबित हुईं। उन्होंने कहा, 'मेरे पास मौका था, लेकिन उसे गंवाना दुख देता है।'

18 घंटे में तीन मैच खेले, शरीर पर असर पड़ा

सिंधु ने एशियन गेम्स के शेड्यूल पर भी बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें 18 घंटे के अंदर तीन मैच खेलने पड़े। सिंधु ने कहा कि उनकी टीम पहले ही उन मौकों पर काम कर रही है, जहां मैच को अपने पक्ष में खत्म करने में चूक हुई। उन्होंने कहा कि मैं दुखी हूं, लेकिन यह ठीक है। मुझे खुशी है कि यह अब भी मेरे लिए इतना मायने रखता है कि इतना दर्द हो रहा है। मैं अब भी इसे चाहती हूं। मैं अब भी कोर्ट पर अपना सब कुछ देती हूं। यही भावना मुझे आगे बढ़ाती है।



मनोरंजन

जूते पहनकर मंदिर जाने पर पिटाई हुई, बचपन में आफ्टर शेव लोशन पिया, डॉक्टर ने कहा- पिता नहीं बचेंगे तो पैनिक अटैक आया

44 के हुए रणबीर कपूर

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड के आला दर्जे के एक्टर माने जाने वाले रणबीर कपूर आज 44 साल के हो चुके हैं। 2007 की फ्लॉप फिल्म 'सांवरिया' से करियर शुरू करने वाले रणबीर कपूर ने 'रॉकस्टार' में टूटे दिल का दर्द जिया, 'बर्फी' में बिना बोले दिल जीत लिया और 'संजू' में संजय दत्त को पर्दे पर उतार दिया। 'एनिमल' से बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़े तो विवादों में भी घिरे। पर्दे के बाहर माता-पिता के तनावपूर्ण रिश्ते, पिता ऋषि कपूर को खोने का दर्द और निजी जिंदगी के उतार-चढ़ाव भी उनकी कहानी का हिस्सा रहे। 19 साल के करियर में 21 फिल्मों के साथ रणबीर अब 'रामायण' में भगवान राम का किरदार निभाने जा रहे हैं।



रणबीर कपूर का जन्म 28 सितंबर 1982 को मुंबई में हुआ। वे अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू कपूर के बेटे हैं। शोमैन राज कपूर दादा हैं। परिवार की 4 पीढ़ियां हिंदी सिनेमा में पहचान बना चुकी थीं। यूं तो रणबीर कपूर हर ऐशो-आराम में पले बढ़े, लेकिन उनके अपने निजी संघर्ष रहे। रणबीर को नेजल डिविएट सेप्टम नाम की बीमारी हो गई। ये एक रेयर बीमारी है, जिसके चलते उन्हें सांस लेने में तकलीफ होती है और वह जल्दी-जल्दी बोलते हैं।

रणबीर कपूर की एक्टिंग स्किल्स की तारीफ तो हर कोई करता है, लेकिन उनके पर्सनल लाइफ के कई किस्से भी चर्चा में रहे हैं। रणबीर कपूर ने एक बार बाथरूम में पिता का आफ्टर शेव लोशन पी लिया था। घरवालों ने तुरंत एक्शन लेते हुए उनसे उल्टियां करवाई थीं। एक दिन दादा राज कपूर नन्हे रणबीर कपूर और उनकी बहन को बुक पढ़कर सुना रहे थे, लेकिन रणबीर कपूर इस समय गाना गाने में बिजी थे। वो सुन नहीं रहे थे, तो दादा जी ने उन्हें फटकारा और कहा- आप सुन भी रहे हो, या सिर्फ अपना गाना गाने में लगे हो।

रणबीर कपूर के बचपन से-रणबीर कपूर एक बार बाथरूम में फिसलकर गिर गए, जिससे उनके चेहरे पर बड़ा कट पड़ गया। इस चोट का निशान आज भी उनके चेहरे पर है। रणबीर

पिता के साथ देशभक्ति गाने में नजर आए थे रणबीर

बाबरी मस्जिद टूटने के बाद देश में दंगे भड़क गए थे। इसी समय 1993 में सुभाष घई ने दूरदर्शन के लिए एकता पर गाना बनाया प्यार की गंगा बहे। इस गाने में उस दौर के बड़े सितारे अपने परिवार और बच्चों के साथ नजर आए थे। तब 11 साल के रणबीर कपूर भी पिता ऋषि कपूर के साथ एक सीन में दिखे। उनके अलावा बाल कलाकारों में सोनम कपूर, टाइगर श्रॉफ भी दिखे थे। वहीं बड़े कलाकारों में अनिल कपूर, सलमान खान, ऋषि कपूर, आमिर खान, जैकी श्रॉफ, नसीरुद्दीन शाह, गोविंदा, चिरंजीवी, रजनीकांत, ममूटी दिखे।

रणबीर कपूर ने शुरुआती पढ़ाई माहिम के बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल से की। एक बार क्लास से भागने की कोशिश करते पकड़े जाने पर उन्हें प्रिंसिपल ने पूरे कॉरिडोर में घुमाकर थप्पड़ मारे थे।

रणबीर कपूर अपनी स्कूल में इसलिए फेमस थे क्योंकि उनके पिता ऋषि कपूर फेमस एक्टर थे। कई बार उन्हें क्लास में सॉफ्ट टार्गेट समझकर जमकर बुली किया जाता था। दूसरे क्लास के बच्चे भी उन्हें परेशान करते थे। ये बात रणबीर ने पॉडकास्ट व्हॉट वीमन वॉन्ट्स में बताई थी।



प्रभास की कल्की 2 के लिए करना पड़ेगा लंबा इंतजार

डायरेक्टर ने रिलीज डेट को लेकर खोला राज?

नई दिल्ली, एजेंसी



दो साल पहले सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस तक शानदार प्रदर्शन करने वाली कल्कि 2898 एडी के सीक्वल की चर्चा लंबे समय से चल रही है। प्रभास, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे दिग्गज अभिनेताओं से सजी कल्कि 2 (Kalki 2) को लेकर अब लेटेस्ट अपडेट सामने आ रहा है।

जो इस माइथोलॉजिकल और साइंस-फिक्शन फिल्म की रिलीज डेट से जुड़ा है। जिससे ये साफ हो गया है कि कल्कि के सीक्वल में देरी होगी। इसकी जानकारी फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन की तरफ से दी गई है।

साल 2024 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही फिल्म कल्कि 2898 एडी की सीक्वल की शूटिंग यूं तो गत फरवरी में ही शुरू हो गई थी। हालांकि इस फिल्म के लिए अभी लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन ने हाल ही इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट साझा किया है। इससे पहले फिल्म में अश्वत्थामा की भूमिका निभाने वाले हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन ने गत फरवरी में अपने ब्लाग के माध्यम से बताया था उन्होंने कमल हासन के साथ फिल्म की शूटिंग कर दी है। नाग ने फिल्म को लेकर बताया- हम मध्य अक्टूबर में नियमित शूटिंग शुरू कर रहे हैं, क्योंकि अब हमारे पास सभी कलाकारों के तय शेड्यूल और डेट मिल चुके हैं।

डेडबॉडी में स्टन गन के निशान थे, बहन बोली- जोर-जबरदस्ती हुई थी

पोस्टमार्टम में टूटी मिली थी सुशांत के पैर की हड्डी

नई दिल्ली, एजेंसी



सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने एक्टर के पोस्टमार्टम से जुड़ा बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम के समय सुशांत के पैर की हड्डी टूटी हुई, आंख के पास चोट के निशान थे और गले में स्टन गन के भी निशान बने हुए थे।

श्वेता सिंह कीर्ति ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा- 'आप सब जानते हैं कि जो भाई के साथ हुआ वो गलत है। हमें कुछ समय पहले ही पता चला है कि भाई का पोस्टमार्टम करने वाले शख्स ने कहा है कि उस पर स्टन गन इस्तेमाल हुई थी। उसके पैर टूटे हुए थे। उस पर काफी सारा फोर्स लगाया गया था। आंखों में भी चोट आई थी।'आगे श्वेता सिंह कीर्ति ने कहा, 'आप लोगों को लगता है कि भाई के साथ जो हुआ वो गलत था, जाहिर तौर पर गलत था। हम सब दिलों में जानते हैं कि जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए था। मैं आप सबसे कहना चाहती हूं कि मैं उसकी बहन हूं, मैं जानती हूं कि ये कैसा लगता है कि हमारे किसी करीबी से साथ ऐसा कुछ हुआ है। जब ये हमारे साथ हो, तो हम माफ कर सकते हैं, लेकिन किसी अपने के साथ ऐसा हो तो ये भूलने के लिए काफी हिम्मत लगती है।'श्वेता ने वीडियो के आखिर में लोगों से अपील की है कि वो नफरत या बदले की भावना न रखें। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी फैंस भगवान पर भरोसा रखें। वीडियो के कैप्शन में श्वेता ने लिखा है, 'मैं ये नहीं कह रही हूं कि न्याय और सही के लिए लड़ाई मत करो, मैं कह रही हूं कि इसे प्यार की भावना के साथ करें बदले की भावना के साथ नहीं।'

सीबीआई जांच में मौत को आत्महत्या करार दिया गया

सुशांत सिंह राजपूत 14 जून, 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमयी तरीके से मृत पाए गए थे। पहली नजर में मामला सुसाइड का लगा था, लेकिन बाद में परिवार की शिकायत, मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से मामले की जांच को CBI को सौंपी गई। CBI की क्लोजर रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है।

इस केस में CBI ने 6 अगस्त 2020 को FIR दर्ज की थी। 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद CBI ने मार्च 2025 में फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की, जिसमें कहा गया कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है। रिया चक्रवर्ती और अन्य को मामले में क्लीनचिट दी गई।

नकाबपोश लोगों को देखकर महिला ने पुलिस बुलाई

ब्रिटिश एयरबेस के पास आतंकी साजिश का शक, 5 गिरफ्तार

सुरक्षा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में अमेरिकी वायुसेना के इस्तेमाल वाले एयरबेस के पास आतंकी साजिश की आशंका में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को रविवार तड़के एक महिला ने एयरबेस की ओर जाती 3 संदिग्ध वैन के बारे में सूचना दी थी।

सूचना मिलते ही इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई। आसपास के गांव के करीब 85 घरों को खाली कराया गया। पुलिस ने संदिग्धों को पहले विस्फोटक से जुड़े अपराधों के शक में गिरफ्तार किया। बाद में उन पर आतंकी हमले की तैयारी का भी शक जताया गया।



यह एयरबेस इंग्लैंड के ग्लॉस्टरशायर में स्थित RAF फेयरफोर्ड है। यहां अमेरिकी वायुसेना की मौजूदगी है। ईरान के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई के दौरान भी इस एयरबेस से लड़ाकू और बमवर्षक विमान उड़ान भरते रहे थे। घटना के बाद मामला इतना गंभीर था कि बम निरोधक टीम ने रोबोट की मदद से तीनों वैन की जांच की। सोमवार सुबह तक वैन को मौके से हटाया नहीं गया था। आसपास के गांवों के लोगों को भी घर लौटने की इजाजत नहीं मिली थी।

RAF फेयरफोर्ड पर तैनात अमेरिकी वायुसेना के कर्मचारियों को सतर्क रहने को कहा गया। अमेरिकी वायुसेना ने सुरक्षा कारणों से एयरबेस की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया।

ईरान जंग में इस्तेमाल होता है बेस



पुलिस ने अलर्ट के बाद एयरबेस के इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी है।

रक्षा मंत्री ने महिला की तारीफ की

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने संदिग्ध गतिविधि देखकर पुलिस को सूचना देने वाली महिला की तारीफ की। उन्होंने कहा कि महिला ने सही समय पर समझदारी दिखाते हुए पुलिस को जानकारी दी। रक्षा मंत्री से पूछा गया कि जब महिला ने सुरक्षा से जुड़ी शिकायत के लिए 24 घंटे वाली हेल्पलाइन पर फोन किया तो वहां किसी ने जवाब क्यों नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है, इसलिए फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी देना संभव नहीं है।

महिला बोली- नकाब पहने लोगों को खेतों की तरफ भागते देखा

पुलिस को सूचना देने वाली महिला ने BBC से कहा कि वह एक पार्टी से घर लौट रही थी। घर के पास पहुंचने पर उसे रास्ते में तीन सफेद वैन खड़ी मिलीं। रास्ता बंद होने की वजह से उसे अपनी कार वापस मोड़नी पड़ी। महिला के मुताबिक, थोड़ी दूर जाने पर उसने नकाब पहने कई लोगों को देखा। जैसे ही उन लोगों की नजर उसकी कार पर पड़ी, वे भागने लगे। कुछ खेतों और जंगल की तरफ चले गए, जबकि कुछ पास के गांव की ओर भागे। महिला ने बताया कि उसे पहले से पता था कि एयरबेस के आसपास सुरक्षा को लेकर खतरा रहता है। उसने पहले रक्षा मंत्रालय की पुलिस हेल्पलाइन पर फोन किया, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसने रात 1:36 बजे इमरजेंसी नंबर 999 पर फोन किया। उसके मुताबिक, करीब 10 मिनट के भीतर गांव में हथियारों से लैस पुलिस पहुंच गई।

ईरान के हाथ लगा अमेरिका का दूसरा समुद्री ड्रोन

होर्मुज में एमके 18 किंगफ़िश को पकड़ने का दावा

तेहरान, एजेंसी



ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज में एक अमेरिकी अंडरवाटर ड्रोन को जब्त करने का दावा दोहराया है। ईरानी अधिकारियों ने पहले इसे REMUS 600 बताया था, लेकिन अब अपनी दावे में बदलाव करते हुए इसे Mk 18 Mod 2 Kingfish बताया है।

IRGC के प्रवक्ता सेकेंड ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मोहेब्बी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इस जब्ती की पुष्टि की। उन्होंने इसे एक अमेरिकी सैन्य प्रणाली बताते हुए लिखा कि होर्मुज IRGC नौसेना के लिए अमेरिकी पनडुब्बियों के शिकार का मैदान बन चुका है।

हमारा दूसरा शिकार इस बार Mk 18 Mod 2 Kingfish पकड़ा गया है। यह सोनार और सटीक नेविगेशन से लैस उन्नत, स्वायत्त AUV है, जिसकी कीमत लाखों डॉलर है। यह केवल एक शिकार नहीं, बल्कि तकनीक और खुफिया जानकारी की एक बड़ी ट्रॉफी है। ईरान के सरकारी प्रसारक (आईआरजीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, IRGC ने इसे अमेरिकी सेना के खिलाफ एक सुनियोजित कार्रवाई बताया। बयान में कहा गया कि IRGC की नौसेना ने सैन्य खुफिया और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की मदद से एक जटिल ऑपरेशन चलाया और जासूसी के मकसद से तैनात इस अमेरिकी अंडरवाटर वाहन को अपने जाल में फंसा लिया।

फास्ट न्यूज

ख्वाजा आसिफ की बेहूदा हरकत

वॉशिंगटन । पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक बार फिर से अपनी बेहूदा हरकत को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना कर रहे हैं। दरअसल, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर एक अफगान महिला पत्रकार ने ख्वाजा आसिफ से एक सवाल पूछा। पत्रकार ने अफगान महिलाओं को लेकर तालिबान की नीतियों पर सवाल किया था। इस दौरान ख्वाजा आसिफ ने पहले महिला पत्रकार के कपड़ों की ओर इशारा किया ।

'बहुत जल्द खत्म हो सकता है युद्ध'

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप मिडटर्म चुनाव से पहले ईरान पर नए अमेरिकी सैन्य हमलों की संभावना से इनकार नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि यह टकराव जल्द ही खत्म हो जाएगा और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। रविवार को जब उनसे पूछा गया कि क्या चुनाव से पहले सैन्य हमले हो सकते हैं, तो ट्रंप ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। मेरा मतलब है, यह संभव है, लेकिन मैं बस ऐसा कहना नहीं चाहता। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका सैन्य कार्रवाई और तेहरान को अलग-थलग करने के लिए चलाए जा रहे अपने आर्थिक अभियान के ज़रिए जीत हासिल कर रहा है।

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना को भारी नुकसान

बीजिंग। चीन की महान दीवार का एक दूरस्थ हिस्सा पिछले 20 वर्षों से खदान का कचरा फेंके जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है।

सरकारी मीडिया 'सीसीटीवी' ने रविवार को बताया कि शांक्सी प्रांत की निंगवू काउंटी में मिंग राजवंश के दौर की इस प्राचीन दीवार के पत्थरों को कोयला खदान के कचरे को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया गया।

इजराइली राष्ट्रपति नेतन्याहू का 'गुप्त' आबूधाबी दौरा

यूएई राष्ट्रपति से सीक्रेट मीटिंग पर हलचल तेज

आबूधाबी, एजेंसी



मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एक बड़ी हलचल सामने आई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की।

हालांकि इस मुलाकात को लेकर दोनों ही देशों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब इजराइल में 7 अक्टूबर, 2023 के हमास हमले को लेकर फिर से गंभीर बहस छिड़ गई है।

इजराइली अखबार 'हारेट्ज़' ने हाल ही में रिपोर्ट दी थी कि हमास के हमले से लगभग 10 दिन पहले UAE के राष्ट्रपति ने खुद नेतन्याहू को एक बड़े ऑपरेशन की चेतावनी दी थी। जिसे बाद में सुरक्षा एजेंसियों तक नहीं पहुंचाया गया।

हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज करते हुए अखबार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। आगामी चुनावों को देखते हुए विपक्ष इस मुद्दे पर सुरक्षा चूक का आरोप लगाकर नेतन्याहू को घेर रहा है।

UAE ने 'हारेट्ज़' की रिपोर्ट पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उसने पहले कहा है कि 2020 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद से दोनों देशों के बीच ₹बातचीत के खुले और सीधे रास्ते₹ बने हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब दोनों नेताओं की गुप्त मुलाकात की चर्चा हुई है।

ईरान के खिलाफ जल्द जंग जीतेंगे : ट्रम्प

युद्ध खत्म होते ही तेल की कीमतें गिरेंगी, मिडटर्म चुनाव से पहले फिर हमले की संभावना

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध बहुत जल्द जीत जाएगा। ट्रम्प ने रविवार को फॉक्स न्यूज से बातचीत में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होते ही दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना अमेरिका का सबसे बड़ा लक्ष्य है।

ट्रम्प से पूछा गया कि क्या मिडटर्म चुनाव से पहले अमेरिकी सैन्य हमले फिर शुरू हो सकते हैं। उन्होंने इसकी संभावना से इनकार नहीं किया।

ट्रम्प ने कहा, "यह संभव है, लेकिन मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता।"

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात दिन का प्रस्ताव रखा था। इसमें होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने की बात शामिल थी। अमेरिका ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

अराघची के मुताबिक, ईरान समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए तैयार है। इसके बदले वह विदेशों में जमा अपनी संपत्तियों और पैसों पर लगी रोक हटाने और अपना तेल बेचने की अनुमति चाहता है।

उन्होंने कहा कि ये मांगें जून में अस्थायी सीजफायर के लिए हुए समझौता ज्ञापन (MoU) जैसी हैं। हालांकि, दोनों पक्षों की ओर से जवाबी हमलों के बाद वह समझौता टूट गया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू कर सकते हैं। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू करने की संभावना पर चर्चा की है।

ट्रम्प बोले- सैन्य मोर्चे पर हम पहले ही जीत चुके

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों, दोनों के जरिए ईरान पर दबाव बना रहा है। उन्होंने दावा किया कि सैन्य मोर्चे पर अमेरिका पहले ही जीत चुका है, हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि कार्रवाई पूरी तरह रुक गई है।

ईरान की अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प ने कहा कि उसकी मुद्रा की कीमत गिर गई है और महंगाई तेजी से बढ़ी है। उन्होंने ईरान में महंगाई दर करीब 300% होने का दावा किया।

ईरान बोला- विनाशकारी जंग के लिए तैयार

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि उनका देश जंग दोबारा शुरू होने की स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। NBC न्यूज के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' में उन्होंने कहा, "हम किसी भी नए हमले का मजबूती से सामना करेंगे, भले ही यह विनाशकारी जंग में बदल जाए।" अराघची ने कहा कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा। हालांकि, उन्होंने बातचीत का रास्ता खुला रखते हुए कहा कि शांति का कोई भी मौका नहीं गंवाना चाहिए।

नेपाल के हिमालय में हिमस्खलन, 4 की मौत

12 लापता, बेस कैंप में सो रहे लोगों पर बर्फ गिरी, रेस्क्यू टीम 24 घंटे बाद पहुंची

काठमांडू, एजेंसी





नेपाल के मनांग जिले में 7,126 मीटर ऊंचे हिमलुंग हिमाल पर रविवार को हिमस्खलन हो गया। हादसे के समय गाइड और उनके साथ काम करने वाले लोग एक टेंट में सो रहे थे। हिमस्खलन की चपेट में आने से टेंट बर्फ के नीचे दब गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12 लोग लापता हैं। हादसे के बाद रविवार को ही बचाव दल के कुछ सदस्य मौके पर पहुंच गए थे और दो शव बरामद कर लिए थे।

हालांकि खराब मौसम और उड़ान में दिक्कत के कारण पूरी टीम बेस कैंप तक नहीं पहुंच सकी। सोमवार सुबह हेलिकॉप्टर से बाकी बचावकर्मियों को बेस कैंप पहुंचाया गया।

हिमलुंग का बेस कैंप करीब 4,900 मीटर की ऊंचाई पर होता है। इसके बाद शिखर तक पहुंचने के लिए आमतौर पर तीन कैंप बनाए जाते हैं।

चढ़ाई की तैयारी में जुटे थे गाइड और वर्कर

जिस टेंट पर हिमस्खलन गिरा, उसमें कुल 22 लोग मौजूद थे। इनमें 9 पर्वतारोही और 13 लोग सपोर्ट स्टाफ के थे। ये लोग आने वाले पर्वतारोहण सीजन की तैयारी के लिए वहां पहुंचे थे। उनका काम चढ़ाई का रास्ता तैयार करना, रस्सियां लगाना और बेस कैंप तैयार करना था। हिमस्खलन के बाद 12 लोग लापता हो गए।

ऊंचे पहाड़ों की चढ़ाई के लिए हिमलुंग में ट्रेनिंग लेते हैं पर्वतारोही



हिमलुंग हिमाल 7,126 मीटर ऊंचा है और तिब्बत सीमा के पास स्थित है। यह इलाका काफी दूरदराज है, इसलिए यहां पहुंचना आसान नहीं है।

एवरेस्ट और मनास्लू जैसी 8,000 मीटर से ऊंची चोटियों पर चढ़ने वाले पर्वतारोही यहां आकर कम ऑक्सीजन और ज्यादा ऊंचाई में अपने शरीर को ढालने की तैयारी करते हैं।

हिमलुंग पर चढ़ाई कुछ दूसरी बड़ी चोटियों के मुकाबले कम मुश्किल मानी जाती है। फिर भी यहां पर्वतारोहियों को बर्फीली ढलानों पर फिक्स्ड रोप, जुमार और क्रैम्पॉन के साथ चढ़ने का अच्छा अभ्यास मिलता है।

यानी बड़ी और ज्यादा ऊंची चोटियों पर जाने से पहले यहां चढ़ाई के जरूरी तरीकों को आजमाने का मौका मिलता है।

बैंक हड़ताल टली, 5-डे वर्किंग के लिए कमेटी बनेगी

इस हफ्ते 5 दिन बैंक खुलेंगे, गांधी जयंती पर छुट्टी रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी



देशभर में सभी बैंक आम दिनों की तरह खुले रहेंगे और बैंकिंग से जुड़े सभी काम रोजाना की तरह होंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (UFBU) ने 28 से 30 सितंबर के बीच बुलाई गई अपनी 3 दिन की हड़ताल टालने का फैसला किया है।

रविवार देर रात हुई बैठक में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) ने 5-डे वर्किंग के लिए कमेटी बनाने पर सहमति बनी है। साथ ही कर्मचारियों की अन्य मांगों को पूरा करने का भरोसा दिया है।

हड़ताल टलने से इस हफ्ते 5 दिन बैंक खुलेंगे और सिर्फ 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर बंद रहेंगे।

बैंक हड़ताल की वजह से वित्त मंत्रालय के निर्देश पर 10 साल बाद रविवार को आम लोगों के लिए बैंक खोलने पड़े थे। इससे पहले, 2016 में नोटबंदी के बाद 14 नवंबर को रविवार के दिन बैंक खुले थे।

तब पुराने 500 और 1000 के नोट बदलने, जमा करने और कैश निकालने के लिए लोग बैंकों में लाइन में लगे थे। भीड़ संभालने के लिए सरकार ने रविवार को भी बैंक खोलने का फैसला लिया था।

बैंक हड़ताल टलने से अब ATM से मंथली फ्री लिमिट खत्म होने के बाद चार्ज लगेगा। इससे पहले सभी सरकारी बैंकों ने 28 से 30 सितंबर तक ATM से मंथली फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश निकालने पर चार्ज नहीं लेने का फैसला किया था। हालांकि अभी, इसे लेकर कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया गया है।

मिशन : रूस के 3000 सैनिकों को मारने का दावा, 5 गांव और 3 बस्तियां वापस लीं

यूक्रेन ने जंग में विस्फोटकों से लैस रोबोट सैनिक उतारे

कीव, एजेंसी

रूस-यूक्रेन जंग में अब रोबोट सैनिक भी मोर्चा संभाल रहे हैं। यूक्रेन ने पहली बार बड़े पैमाने पर सुसाइड जमीनी रोबोट का इस्तेमाल कर रूसी सेना पर हमला करने का दावा किया है।

यूक्रेन की थर्ड आर्मी कॉर्प्स के मुताबिक, 'ऑपरेशन विवाल्डी' के तहत रोबोट और ड्रोन की मदद से रूस के करीब 3,000 सैनिकों को मार गिराया गया। साथ ही, पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में 5 गांवों और 3 बस्तियों पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया गया।

यूक्रेनी सेना के मुताबिक, यह अभियान मई में शुरू हुआ था और सितंबर के आखिरी सप्ताह में पूरा हुआ। सेना ने गुरुवार को इसकी जानकारी सार्वजनिक की।

ड्रोन से दुश्मन के इलाके में उतारे रोबोट

इस ऑपरेशन में चार पहियों वाले ऐसे रोबोट इस्तेमाल किए गए, जिनमें विस्फोटक भरे थे। बड़े ड्रोन इन्हें रूसी सेना की सीमा के 14.5 किमी अंदर तक ले जाकर छोड़ते थे। इसके बाद ये रोबोट जमीन पर चलते हुए रूसी सैनिकों के ठिकानों तक पहुंचते और हमला करते थे। रोबोट में लगे कैमरों से आसपास के इलाके पर नजर रखी जाती थी। इनकी मदद से रूसी सेना के कमांड सेंटर, सैनिकों के ठिकानों, हथियार और सामान रखने की जगहों और नदी पार करने के रास्तों पर हमले किए गए। इस रणनीति का मकसद यूक्रेनी सैनिकों की जान जोखिम में डाले बिना रूसी ठिकानों पर हमला करना था। थर्ड आर्मी कॉर्प्स के कमांडर जनरल आंद्री बिलेत्स्की ने कहा कि यूक्रेन दुनिया में पहली बार ड्रोन से रोबोट को दुश्मन के इलाके में उतारकर हमला कर रहा है।



यूक्रेन ने अपने प्रोजेक्ट से जुड़ा वीडियो शेयर किया है।

इस दौरान रोबोट ने 15,700 से ज्यादा मिशन पूरे किए।

सुसाइड जमीनी रोबोट छोटे वाहन होते हैं, जो पहियों से चलते हैं। इन्हें दूर बैठकर ऑपरेटर रिमोट से चलाता है। इनमें विस्फोटक भरे होते हैं। ये दुश्मन के सैनिकों या ठिकानों तक पहुंचकर धमाका करते हैं।

इन रोबोट की मदद से सैनिकों को बारूदी सुरंगों, गोलियों और दुश्मन के हमलों के बीच सीधे जाने का खतरा कम होता है। ड्रोन इन्हें दुश्मन के इलाके में पहुंचाते हैं और रोबोट में लगे कैमरों से ऑपरेटर आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता है। हालांकि, ये रोबोट हर काम अपने आप नहीं करते। इन्हें चलाने और हमले का फैसला लेने में इंसान की भूमिका अहम होती है। यूक्रेन जंग में सैनिकों की जान बचाने के लिए रोबोट्स की सेना तैयार कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का यूपीआई चार्ज पर रोक से इनकार

2000 से ज्यादा के पेमेंट पर 0.4% चार्ज तय

नई दिल्ली, एजेंसी



सुप्रीम कोर्ट ने UPI पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगाने के केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। 15 अक्टूबर से यह शुल्क 2000 रुपए से ज्यादा के मर्चेंट पेमेंट पर लागू होगा। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है कि इस नए नियम को लागू करने का आधार क्या है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की तीन जजों की बेंच ने वकील अंजन दत्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

एडवोकेट अंजन दत्ता ने जनहित याचिका में सवाल उठाया कि 2,000 रुपए की सीमा क्यों तय की गई? UPI और रूपे कार्ड के लिए नियम अलग क्यों हैं। याचिका में इसे रद्द करने की मांग की गई थी।

याचिका में यह भी कहा गया कि सरकार ने जनता से चर्चा किए बिना और कोई ठोस नियम बनाए बिना ही यह फीस तय कर दी। इसके अलावा, 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' के एक नियम (धारा 10A) को भी अदालत में चुनौती दी गई। आरोप है कि यह नियम सरकार को अपनी मर्जी से यह फैसला करने की छूट देता है कि कौन-सा डिजिटल पेमेंट फ्री रहेगा और किस पर चार्ज लगेगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96